Part A Introduction			
Program: P.G.	**Class: M.A.**	**Year: Second Year**	**Session:2025-26**
Subject: Sociology			

1	**Course Code**	**CC-31**	
2	**Course Title**	**Theoretical Perspectives of Sociology**	
3	**Course Type (Core Course/Elective/ Generic Elective/Vocational/)**	**Core Course**	
4	**Pre-requisite (if any)**	1. Passed BA Honours or BA Honours with Research in Sociology as per National Education Policy - 2020. Or 2. Passed Post Graduate Diploma Course in Sociology	
5	**Course Learning Outcomes (CLO)**	The course will enhance the conceptual learning and below mentioned understanding of the students: 1. Understand the historical development and context of sociological thoughts. 2. Identify contributions of Indian sociologists and indigenous theoretical frameworks. 3. Analyze society using various theoretical perspectives such as functionalism, dialectical and postmodernism. 4. Apply sociological theories to real-world social issues and institutions. 5. Enhance academic writing and discussion skills in sociological theory. 6. Improve employability in academia, social research NGOS and public policy through theoretical grounding.	
6	**Credit Value**	Option -I =5, Option II & III=4	
7	**Total Marks**	Max. Marks: 40+60	Min. Passing Marks: 40

Part B-Content of the Course

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical(in hours per week):L-T-P:02-00-00=

Unit	**Topics**	**No. of Lectures (1 Hour Each)**
I	**Sociological theory and Indological perspectives** 1. Nature, scope and significance of sociological theories. 2. Indigenous sociology: Contribution of Yogendra Singh 3. Ideological perspectives: 3.1 G.S. Ghurye – National unity and Integration	15

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

	3.2 Irawati Karve – Kinship organization in India **Keywords** - Indigenous sociology, contribution of Yogendra Singh, G.S. Ghurye, Irawati Karve **Activities** - Collection of material from libraries and internet on Indian sociological perspective.	
II	**Structural perspectives** 1. Redcliff Brown: Structure and function in primitive society. 2. Neo-Structuralism: Michel Foucault and Jeffrey C. Alexander 3. M.N. Srinivas : Dominant caste **Keywords** - Structure and Function, Neo- structuralism, Dominant caste. **Activities** - Survey and analyze the dominant caste of your area.	15
III	**Functional perspective** 1. Functionalism (Early Theories): Malinovaski and Durkheim 2. Talcott parsons: Functional dimension of social system 3. R.K. Merton: Latent and manifest function 4. S.C. Dube: Indian village structure, function and change **Keywords** - Functionalism, social system, latent and manifest function, Indian village **Activities** - Prepare a report on the structure of your village.	15
IV	**Dialectical perspectives** 1. Ralf Dahrendorf: class conflict in Industrial society 2. Lewis A. Coser: The function of social conflict 3. D.N. Dhanagare: Peasant movements in India **Keywords** - Class conflict, function of social conflict, peasant movement **Activities** - Organize seminars on sociological theories.	15
V	**Contemporary sociological perspectives** 1. Symbolic Interactionism: J.H. Mead, Erving Goffman 2. Phenomenology: Alfred Schutz, Edmund Hussel 3. Ethnomethodology: H. Garfinkel 4. Glocalization: Roland Robertson **Keywords** - Symbolic Interactionism, Phenomenology, Ethnomethodology, Glocalization **Activities** - Organize seminars on sociological theories.	15

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

	Total Lectures	75 Hours

Part C-Learning Resources
Text Books, Reference Books, Other resources
Suggested Readings: 1. डॉ. अम्बेडकर का विचार दर्शन- रामगोपाल सिंह 2. बी.के. नागला- भारतीय समाशास्त्रीय चिन्तन 3. Yogendra Singh - Modernization of Indian Tradition. 4. M.N. Srinivas Social Change in Modern India.
Suggested equivalent online courses: https://nios.ac.in/online-course-material/sr-secondary-courses/Sociology-(331).aspx अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रमः IGNOU & Other centrally/state operated Universities / MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.

Part D-Assessment and Evaluation		
Suggested Evaluation Methods: Seminar, Class Test, Group Discussion, Appropriate Weightage of attendance in the class. Maximum Marks:100 CCE- 40, University Exam Marks- 60		
External Assessment: University Exam Section: 100 Time: 03:00 Hours	**Section(A) Objective Types** Questions- 5 (5x1=5) **Section(B):**Short Questions - 5 (5x3=15) (With Internal Choice) **Section(C):**Long Questions - 5 (5x8=40) (With Internal Choice)	100
Any remarks/suggestions:		

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

भागअ- परिचय

कार्यक्रम: स्नातकोत्तर	कक्षा: एम.ए.	वर्ष : द्वितीय वर्ष	सत्र : 2025-2026
विषय: समाजशास्त्र			

1	**पाठ्यक्रम का कोड**	CC-31
2	**पाठ्यक्रम का शीर्षक**	**सामजशास्त्रीय सैदवांतिक परिप्रेक्ष्य**
3	**पाठ्यक्रम का प्रकार : (कोरकोर्स/ इलेक्टिव/ जेनेरिक इलेक्टिव/ वोकेशनल)**	**कोर कोर्स**
4	**पूर्वापेक्षा (Prerequisite) (यदि कोई हो)**	1. राष्ट्रीय शिक्षा नीति - 2020 के अनुसार समाजशास्त्र में बी.ए. ओनर्स या बी.ए. ओनर्स विथ रिसर्च उत्तीर्ण। अथवा 2. स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम (समाजशास्त्र) में उत्तीर्ण
5	**पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)**	यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों में अवधारणात्मक सीख एवं निम्नलिखित समझ पैदा करेगा- 1. समाजशास्त्रीय विचारधारा के ऐतिहासिक विकास और संदर्भ को विद्यार्थी समझ सकेगें। 2. भारतीय समाजशास्त्रीयों के योगदान और स्वेदशी सिद्वांतों को विद्यार्थी समझ सकेगें। 3. प्रकार्यवाद, द्वन्दवाद तथा उत्तर आधुनिकता जैसे दृष्टिकोणों से समाज का विश्लेषण विद्यार्थी समझ सकेगें। 4. समाजशास्त्रीय सिद्वातों को व्यवहारिक सामाजिक समस्याओं और संस्थाओं पर लागू करना विद्यार्थी समझ सकेगें। 5. समाजशास्त्रीय सिद्वातों पर अकादमिक लेखन एवं चर्चा कौशल को सुदृढ़ करना। 6. समाजशास्त्रीय सिद्वातों की समझ के माध्यम से शिक्षण, सामाजिक अनुसंधान, एन.जी.ओ. और नीति- निर्माण जैसे क्षेत्रों में रोजगार की संभावनाएं विद्यार्थियों के लिए बढ़ाना।
6	**क्रेडिट मान**	विकल्प- I =5, विकल्प- II & III=4
7	**कुल अंक**	अधिकतम अंक: 40+60 न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 40

भागब- पाठ्यक्रम की विषय वस्तु

व्याख्यान की कुल संख्या- ट्यूटोरियल- प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में):L-T-P: 02-00-**00**= प्रति सप्ताह

इकाई	विषय	व्याख्यानकीसंख्या (01 घण्टा)
प्रथम	**समाजशास्त्रीय सिद्वांत एवं इन्डोलॉजीकल परिप्रेक्ष्य** 1. समाजशास्त्रीय सिद्वातों की प्रकृति, विषय क्षेत्र एवं महत्व 2. देशज समाजशास्त्र: योगेन्द्र सिंह का योगदान 3. इन्डोलॉजीकल परिप्रेक्ष्य 3.1. जी.एस. धुरिये – राष्ट्रीय एकता एवं एकीकरण 3.2. ईरावती कर्वे- भारत में नातेदारी सगंठन	15

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

	सारबिन्दु – देशज समाजशास्त्र, योगेन्द्र सिंह का योगदान, जी.एस. धुरिये, ईरावती कर्वे	
	गतिविधि - भारतीय समाजशास्त्रीय परिप्रेक्ष्य पर ग्रन्थालय एवं इंटरनेट से सामग्री संग्रहण।	
द्वितीय	संरचनात्मक परिप्रेक्ष्य 1. रेडक्लिफ ब्राउन : आदिम समाज में सरंचना एवं प्रकार्य 2. नव- सरंचनावाद : मिशेल फोकॉल्ट एवं जेफ्रे सी. अलेक्जेन्डर 3. एम.एन. श्रीनिवास : प्रभुजाति	15
	सारबिन्दु – सरंचना एवं प्रकार्य , नव- सरंचनावाद, प्रभुजाति	
	गतिविधि - अपने क्षेत्र की प्रभु जाति का सर्वेक्षण कर विवेचना करें।	
तृतीय	प्रकार्यात्मक परिप्रेक्ष्य 1. प्रकार्यवाद (प्रारम्भिक सिद्वांत) मैलिनोवास्की एवं एमिल दुर्खीम 2. टॉलकॉट पारसन्स: सामाजिक व्यवस्था के प्रकार्यात्मक आयाम 3. आर.के. मर्टन: अप्रकट एवं प्रकट प्रकार्य 4. श्यामा चरण दुबे : भारतीय ग्राम : सरंचना , प्रकर्य एवं परिवर्तन	15
	सारबिन्दु – प्रकार्यवाद, सामाजिक व्यवस्था, अप्रकट एवं प्रकट प्रकार्य, भारतीय ग्राम	
	गतिविधि - अपने ग्राम की संरचना पर एक प्रतिवेदन बनाइए।	
चतुर्थ	द्वन्दात्मक परिप्रेक्ष्य 1. रॉल्फ डाहरेन्डार्फ : औद्योगिक समाज में वर्ग संघर्ष 2. लेविस ए.कोजर : सामाजिक संघर्ष के प्रकार्य 3. डी.एन. धनागेर : भारत में कृषक आन्दोलन	15
	सारबिन्दु – वर्ग संघर्ष, संघर्ष के प्रकार्य, कृषक आन्दोलन	
	गतिविधि - समाजशास्त्रीय सिद्वांतों पर संगोष्ठी आयोजित करें।	
पंचम	समकालीन समाजशास्त्रीय दृष्टिकोण 1. प्रतीकात्मक अन्त: क्रियावाद : जे.एच.मीड, इर्विंग गॉफमैन 2. प्रघटनाशास्त्र: अल्फ्रेड शुट्ज, एडमन्ड हसेल 3. नृजाति पद्वतिशास्त्र : हेरॉल्ड गारफिकंल 4. स्थानीय वैश्वीकरण (ग्लोकलाइजेशन) : रोलैण्ड रॉबर्टसन	15
	सारबिन्दु – प्रतीकात्मक अन्त: क्रियावाद, प्रघटनाशास्त्र, नृजाति पद्वतिशास्त्र, स्थानीय वैश्वीकरण (ग्लोकलाइजेशन)	
	गतिविधि - वैश्वीकरण के समाज पर प्रभाव की पी पी टी के माध्यम से प्रस्तुति कीजियेगा।	
	कुल व्याख्यान	75 घण्टे

भाग स- अनुशंसित अध्ययन संसाधन

अनुशंसित पुस्तकें/ सहायक पुस्तकें/अन्य पाठ्य संसाधन/ पाठ्य सामग्री :

1. डॉ. अम्बेडकर का विचार दर्शन- रामगोपाल सिंह
2. बी.के. नागला- भारतीय समाशास्त्रीय चिन्तन
3. Yogendra Singh - Modernization of Indian Tradition.
4. M.N. Srinivas Social Change in Modern India.

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम:
https://nios.ac.in/online-course-material/sr-secondary-courses/Sociology-(331).aspx

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रमः
IGNOU & Other centrally/state operated Universities / MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.

भाग द-अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:

अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:सेमिनार, कक्षा परीक्षण, समूह चर्चा, कक्षा में उपस्थिति का उचित महत्व।
अधिकतम अंक: 100
सतत व्यापक मूल्यांकन- 40 अंक , विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक: 60

आकलन : 100 **विश्वविद्यालयीन परीक्षा:** समय- 03.00 घंटे	**खंड (ए) वस्तुनिष्ठ प्रश्न-** **5 (5x1=5)** **खंड (बी): लघु प्रश्न -** **5 (5x3=15)** **(आंतरिक विकल्प के साथ)** **खंड (सी): दीर्घ प्रश्न -** **5 (5x8=40)** **(आंतरिक विकल्प के साथ)**	**कुल अंक 100**

कोईटिप्पणी/सुझाव:

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

Part A Introduction			
Program: P.G.	Class: M.A.	Year: Second Year	Session:2025-26

Subject: Sociology		
1	Course Code	CC-32
2	Course Title	Social Research Methods : Techniques and Applications
3	Course Type (Core Course/Elective/ Generic Elective/Vocational/)	Core Course
4	Pre-requisite (if any)	1. Passed BA Honours or BA Honours with Research in Sociology as per National Education Policy - 2020. Or 2. Passed Post Graduate Diploma Course in Sociology
5	Course Learning Outcomes (CLO)	1. To make students understand the definition, importance and types of social research. 2. To make them aware of qualitative research techniques like content analysis, narrative analysis. 3. To simplify the application of quantitative data analysis, central tendency measurement, variance measurement. 4. To understand different methods of hypothesis testing, statistical concepts. 5. To make them familiar with the use of technology in research work like SPSS, use of data coding and report writing.
6	Credit Value	Option -I =5, Option II & III=4
7	Total Marks	Max. Marks: 40+60 / Min. Passing Marks: 40

Part B-Content of the Course		
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week):L-T-P:02-00-00=		
Unit	Topics	No. of Lectures (1 Hour Each)
I	**Methods and Tools of Data Collection** • Techniques of Data Collection: Survey, Observation, Interview, Case Study, Ethnography • Tools: Questionnaire and Schedule • Measurement Techniques and Scales: Likert Scale, Guttman Scale, Semantic Differential Scale • Validity and Reliability	15

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

	Keywords - Survey, Observation, Interview, Case Study, Validity, Reliability	
	Activity - 1. Divide students into groups. Assign each group one technique (survey, observation, interview, etc.). Ask them to prepare and perform a role-play showing how data would be collected using that technique. 2. Ask students to prepare a structured questionnaire and a schedule on a common research topic like "Mobile Usage among College Students."	
II	**Qualitative Research Techniques** • Focus Group Discussion (FGD) • Content Analysis • Narrative Analysis • Grounded Theory • Participatory Research	15
	Keywords - Focus groups, content analysis, narrative analysis, grounded theory	
	Activity - 1. Organize a class-based FGD on "Social Media's Impact on Youth." Assign roles: moderator, participants, note-taker. 2. Provide students with a newspaper editorial. Ask them to identify themes and code the content.	
III	**Quantitative Data Analysis** • Measures of Central Tendency: Mean, Median, Mode • Measures of Dispersion: Range, Mean Deviation, Standard Deviation • Skewness and Kurtosis • Central Limit Theorem • Normally Distributed Data • Types of Measurement Scales: Nominal, Ordinal, Interval, Ratio	15
	Keywords - Mean, median, mode, range, mean deviation, standard deviation, nominal, ordinal, interval, ratio	
	Activity - 1. Give raw data and ask students to calculate Mean, Median, Mode, Range, SD, etc., manually and via Excel. 2. Ask students to present normally distributed data through histogram and bell curve using Excel/SPSS.	
IV	**Hypothesis Testing and Statistical Concepts** • Confidence Level, Level of Significance & P-value • One-tailed and Two-tailed Tests • Types of Errors in Hypothesis Testing • **Statistical Tests:** ○ t-test (One Sample, Independent Samples, Paired Samples)	15

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

	○ Wilcoxon Signed Rank Test (One-Sample & Paired Sample) ○ ANOVA (One-way & Two-way) ○ Chi-square Test (Goodness of Fit, Test of Independence) ○ Correlation: Karl Pearson's & Spearman Rank ○ Regression: Simple Linear & Multiple Linear	
	Keywords - T-test, Rank test, ANOVA, Karl Pearson and Spearman	
	Activity - 1. Conduct a quiz where students identify Type I and Type II errors from different scenarios. 2. Create a flowchart with students for choosing appropriate statistical tests based on sample size and data type.	
V	**Statistical Tests, Software Use & Report Writing** • **Software in Research**: ○ Introduction to SPSS, Excel, and R ○ Data Coding and Entry • **Report Writing and Presentation**: ○ Structure and Format of Research Report, Thesis, and Articles ○ Referencing Styles: APA, MLA, Chicago ○ Use of Charts, Tables, and Bibliography ○ Field Notes and Interpretation of Empirical Data	**15**
	Keywords - SPSS, APA, MLA, Chicago, Data Coding	
	Activity - 1. Hands-on session where students enter coded data, perform basic analysis (mean, SD), and generate charts. 2. Organize a game where students match citations to correct referencing styles (APA, MLA, Chicago).	
	Total Lectures	**75 Hours**

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

Part C-Learning Resources
Text Books, Reference Books, Other resources
Suggested Readings: 1. Research Methodology in social Science, Ravendra Thakur 2. Research Methodology, Methods & Techniques, CR Kothari, Gaurav Garg 3 सत्येन्द्र त्रिपाठी- सामाजिक अनुसंधान एवं सांख्यिकी 4. रामगोपाल सिंह- सामाजिक अनुसंधान एवं पद्धति विज्ञान 5. डॉ. डी.के. लाल दास- सामाजिक शोध 6- CA Moser : Survey Methods in Social Investigation 7. Methods in Social Research Goods & Hatt. 8. P.V. Yang Scientific Social Survey & Research. 9. रामगोपाल सिंह- सामाजिक अनुसंधान, एव पद्धति विज्ञान 10. राम आहूजा- सामाजिक अनुसंधान 11 सत्येन्द्र त्रिपाठी- सामाजिक अनुसंधान एवं सांख्यिकी 12. दोषी एवं त्रिवेदी- उच्चतर समाजशास्त्रीय सिद्धांत
Suggested equivalent online courses: https://nios.ac.in/online-course-material/sr-secondary-courses/Sociology-(331).aspx अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम: IGNOU & Other centrally/state operated Universities / MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.
Part D-Assessment and Evaluation
Suggested Evaluation Methods: Seminar, Class Test, Group Discussion, Appropriate Weightage of attendance in the class. Maximum Marks:100 CCE- 40, University Exam Marks- 60

External Assessment: University Exam Section: 100 Time: 03:00 Hours	**Section(A) Objective Types** Questions- 5 (5x1=5) **Section(B):**Short Questions - 5 (5x3=15) (With Internal Choice) **Section(C):**Long Questions - 5 (5x8=40) (With Internal Choice)	100
Any remarks/suggestions:		

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

भाग अ- परिचय

कार्यक्रम: स्नातकोत्तर	कक्षा: एम.ए.	वर्ष : द्वितीय वर्ष	सत्र : 2025-2026

विषय: समाजशास्त्र

1	पाठ्यक्रम का कोड	CC-32	
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	सामाजिक अनुसंधान पद्धतियाँ: तकनीक और अनुप्रयोग	
3	पाठ्यक्रम का प्रकार : (कोरकोर्स/ इलेक्टिव/ जेनेरिक इलेक्टिव/ वोकेशनल)	कोर कोर्स	
4	पूर्वापेक्षा (Prerequisite) (यदि कोई हो)	1. राष्ट्रीय शिक्षा नीति - 2020 के अनुसार समाजशास्त्र में बी.ए. ओनर्स या बी.ए. ओनर्स विथ रिसर्च उत्तीर्ण। अथवा 2. स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम (समाजशास्त्र) में उत्तीर्ण	
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)	1. विद्यार्थियों को सामाजिक शोध की परिभाषा, महत्व और प्रकारों को समझना। 2. गुणात्मक अनुसंधान की तकनीक जैसे विषय-वस्तु विश्लेषण शोध कार्य कथात्मक विश्लेषण का ज्ञान कराना। 3. मात्रात्मक डेटा विश्लेषण, केन्द्रीय प्रवृति मापन, प्रसरण मापन के अनुप्रयोग को सरल बनाना। 4. परिकल्पना परिक्षण की विभिन्न पद्वति, सांख्यिकी अवधारणा को समझना। 5. शोध कार्य में प्रौयौगिकी प्रयोग जैसे एस.पी.एस.एस., डेटा कोडिंग के प्रयोग एवं रिपोर्ट लेखन से परिचित कराना।	
6	क्रेडिट मान	विकल्प- I =5, विकल्प- II & III=4	
7	कुल अंक	अधिकतम अंक: 40+60	न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 40

भाग ब- पाठ्यक्रम की विषय वस्तु

व्याख्यान की कुल संख्या- ट्यूटोरियल- प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में):L-T-P: 02-00-**00**= प्रति सप्ताह

इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या (01 घण्टा)
प्रथम	आंकड़ा संग्रहण की विधियाँ एवं मापन तकनीकें • आंकड़ा संग्रहण की विधियाँ: सर्वेक्षण, अवलोकन, साक्षात्कार, केस स्टडी, लोकजातीय अध्ययन • आंकड़ा संग्रहण के उपकरण: प्रश्नावली और अनुसूची • माप तकनीक एवं मापन मापनी: लिकर्ट स्केल, गुटमैन स्केल, सिमेंटिक डिफरेंशियल स्केल • वैधता और विश्वसनीयता	15
	सारबिन्दु – सर्वेक्षण, अवलोकन, साक्षात्कार, केस स्टडी, वैधता, विश्वसनीयता	
	गतिविधि - 1. छात्रों को समूहों में बाँटें। प्रत्येक समूह को एक डेटा संग्रह तकनीक (सर्वेक्षण, अवलोकन, साक्षात्कार आदि) दें। वे उस तकनीक का	

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

	उपयोग करके डेटा संग्रह की प्रक्रिया का अभिनय करें। 2. छात्रों को "कॉलेज छात्रों में मोबाइल का उपयोग" जैसे विषय पर एक प्रश्नावली और अनुसूची तैयार करने के लिए कहें।	
द्वितीय	गुणात्मक अनुसंधान तकनीकें • फोकस ग्रुप चर्चा • विषयवस्तु विश्लेषण • कथात्मक विश्लेषण • ग्राउंडेड थ्योरी • सहभागी शोध **सारबिन्दु** – फोकस ग्रुप, विषयवस्तु विश्लेषण, कथात्मक विश्लेषण, ग्राउंडेड थ्योरी **गतिविधि** - 1. "युवाओं पर सोशल मीडिया का प्रभाव" विषय पर कक्षा में एक फोकस ग्रुप चर्चा आयोजित करें। भूमिकाएँ बाँटें – संचालक, प्रतिभागी, टिप्पणीकर्ता। 2. छात्रों को एक अखबार का संपादकीय दें और उन्हें उसमें विषयवस्तु को पहचानकर विश्लेषण करने को कहें।	15
तृतीय	मात्रात्मक डेटा विश्लेषण • केंद्रीय प्रवृत्ति मापन: माध्य, माध्यिका, बहुलक • प्रसरण मापन: रेंज, माध्य विचलन, मानक विचलन • स्क्यूनेस (विकृति) एवं कर्टोसिस (सपाटता) • केंद्रीय सीमा प्रमेय • सामान्य रूप से वितरित आंकड़े • मापन के प्रकार: नामिक, क्रमिक, अंतराल, अनुपात **सारबिन्दु** – माध्य, माध्यिका, बहुलक, रेंज, माध्य विचलन, मानक विचलन, नामिक, क्रमिक, अंतराल, अनुपात **गतिविधि** - 1. छात्रों को डेटा दें और उनसे माध्य, माध्यिका, बहुलक, परास, मानक विचलन आदि की गणना मैन्युअल और Excel से करने को कहें। 2. छात्रों से Excel या SPSS की मदद से सामान्य वितरण वाले डेटा को बेल कर्व और हिस्टोग्राम के रूप में प्रस्तुत करने को कहें।	15

चतुर्थ	परिकल्पना परीक्षण और सांख्यिकीय अवधारणाएँ
	• आत्मविश्वास स्तर, महत्व स्तर एवं पी-मूल्य
	• एक-पक्षीय एवं दो-पक्षीय परीक्षण
	• परिकल्पना परीक्षण में त्रुटियों के प्रकार
	• सांख्यिकीय परीक्षण:
	    ○ टी-परीक्षण (एक नमूना, स्वतंत्र नमूने, युग्मित नमूने)
	    ○ विलकॉक्सन साइन रैंक परीक्षण (एक-नमूना और युग्मित नमूना)
	    ○ एनोवा (एक-मार्गीय एवं द्वि-मार्गीय)
	    ○ काई-वर्ग परीक्षण (उपयुक्तता परीक्षण एवं स्वतंत्रता परीक्षण)
	    ○ सहसंबंध: कार्ल पियर्सन एवं स्पीयरमैन
	    ○ प्रतिगमन: सरल रैखिक एवं बहु रैखिक
	
	सारबिन्दु – टी-परीक्षण, रैंक परीक्षण, एनोवा, कार्ल पियर्सन एवं स्पीयरमैन
		15

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

	गतिविधि - 1. एक क्विज़ करें जिसमें विभिन्न स्थितियों से Type I और Type II त्रुटियाँ पहचाननी हों। 2. छात्रों के साथ एक फ्लोचार्ट बनाएं जिसमें नमूना आकार और डेटा प्रकार के अनुसार उपयुक्त सांख्यिकीय परीक्षण चुना जाए।	
पंचम	सांख्यिकीय परीक्षण, सॉफ्टवेयर उपयोग और रिपोर्ट लेखन • **अनुसंधान में सॉफ्टवेयर**: o एसपीएसएस, एक्सेल और आर का परिचय o डेटा कोडिंग और प्रविष्टि • **रिपोर्ट लेखन एवं प्रस्तुति**: o अनुसंधान रिपोर्ट, शोध प्रबंध एवं लेखों की संरचना और प्रारूप o संदर्भ शैली: एपीए, एमएलए, शिकागो o चार्ट, तालिकाओं और ग्रंथ सूची का उपयोग o फ़ील्ड नोट्स और अनुभवजन्य डेटा की व्याख्या	15
	सारबिन्दु – एसपीएसएस, एपीए, एमएलए, शिकागो, डेटा कोडिंग	
	गतिविधि - 1. प्रायोगिक सत्र जिसमें छात्र कोडेड डेटा दर्ज करें, मूल विश्लेषण (माध्य, मानक विचलन) करें और चार्ट बनाएं। 2. गतिविधि कराएँ जिसमें छात्रों को संदर्भों को सही संदर्भण शैलियों (APA, MLA, Chicago) से मिलाना हो।	
	कुल व्याख्यान	75 घण्टे

भाग स- अनुशंसित अध्ययन संसाधन

अनुशंसित पुस्तकें/ सहायक पुस्तकें/अन्य पाठ्य संसाधन/ पाठ्य सामग्री :

1. Research Methodology in social Science, Ravendra Thakur
2. Research Methodology, Methods & Techniques, CR Kothari, Gaurav Garg
3 सत्येन्द्र त्रिपाठी- सामाजिक अनुसंधान एवं सांख्यिकी
4. रामगोपाल सिंह- सामाजिक अनुसंधान एवं पद्धति विज्ञान
5. डॉ. डी.के. लाल दास- सामाजिक शोध
6- CA Moser : Survey Methods in Social Investigation
7. Methods in Social Research Goods & Hatt.
8. P.V. Yang Scientific Social Survey & Research.
9. रामगोपाल सिंह- सामाजिक अनुसंधान, एव पद्धति विज्ञान
10. राम आहूजा- सामाजिक अनुसंधान
11 सत्येन्द्र त्रिपाठी- सामाजिक अनुसंधान एवं सांख्यिकी
12. दोषी एवं त्रिवेदी- उच्चतर समाजशास्त्रीय सिद्धांत

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम:
https://nios.ac.in/online-course-material/sr-secondary-courses/Sociology-(331).aspx

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम:
IGNOU & Other centrally/state operated Universities / MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.

भाग द-अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:

अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:सेमिनार, कक्षा परीक्षण, समूह चर्चा, कक्षा में उपस्थिति का उचित महत्व।
अधिकतम अंक: 100
सतत व्यापक मूल्यांकन- 40 अंक , विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक: 60

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

आकलन : 100 **विश्वविद्यालयीन परीक्षा:** समय- 03.00 घंटे	**खंड (ए) वस्तुनिष्ठ प्रश्न- 5 (5x1=5)** **खंड (बी): लघु प्रश्न - 5 (5x3=15)** **(आंतरिक विकल्प के साथ)** **खंड (सी): दीर्घ प्रश्न - 5 (5x8=40)** **(आंतरिक विकल्प के साथ)**	**कुल अंक 100**
कोईटिप्पणी/सुझाव:		

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

भाग अ- परिचय

कार्यक्रम: स्नातकोत्तर	कक्षा: एम.ए.	वर्ष : द्वितीय वर्ष	सत्र : 2025-2026

विषय: समाजशास्त्र

1	पाठ्यक्रम का कोड	CC-33	
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	**कार्य एवं उद्योग का समाजशास्त्र**	
3	पाठ्यक्रम का प्रकार : (कोरकोर्स/ इलेक्टिव/ जेनेरिक इलेक्टिव/ वोकेशनल)	**कोर कोर्स**	
4	पूर्वापेक्षा (Prerequisite) (यदि कोई हो)	1. राष्ट्रीय शिक्षा नीति - 2020 के अनुसार समाजशास्त्र में बी.ए. ओनर्स या बी.ए. ओनर्स विथ रिसर्च उत्तीर्ण। अथवा 2. स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम (समाजशास्त्र) में उत्तीर्ण	
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)	यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों में औद्योगिक समाजशास्त्र की अवधारणात्मक शिक्षा और समझ को बढ़ाएगा : 1. यह विद्यार्थियों के बीच भारत में औद्योगीकरण की प्रक्रिया, प्रवृत्तियों तथा इसके प्रभाव की समझ को विकसित करेगा। 2. यह विद्यार्थियों को औद्योगिक नीतियों एवं समस्याओं से भी अवगत कराएगा। 3. इस पाठ्यक्रम में पारंगत छात्र औद्योगिक समस्याओं विशेष रूप से मानव संसाधन से संबंधित समस्याओं की रोकथाम और समाधान की दिशा में योगदान देने में सक्षम होंगे। 4. इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के बाद विद्यार्थी औद्योगिक क्षेत्र में रोजगार के अवसर प्राप्त कर सकेंगे।	
6	क्रेडिट मान	विकल्प- I =5, विकल्प- II & III=4	
7	कुल अंक	अधिकतम अंक: 40+60	न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 40

भागब- पाठ्यक्रम की विषय वस्तु

व्याख्यान की कुल संख्या- ट्यूटोरियल- प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में):L-T-P: 02-00-**00=** प्रति सप्ताह

इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या (01 घण्टा)
प्रथम	**भारत में औद्योगिक समाजशास्त्र का उद्भव** 1. प्राचीन भारत और औद्योगिक समाज : 1.1 श्रेणी संगठन 1.2 कर्मकार जातियां 2. औद्योगिक समाजशास्त्र का भारतीय परिप्रेक्ष्य 3. औद्योगिक समाजशास्त्र : 3.1 अवधारणा 3.2 उत्पत्ति एवं विकास	15

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

	3.3 क्षेत्र एवं प्रकृति	
	सारबिन्दु –औद्योगिक समाजशास्त्र, औद्योगिक समाज, श्रेणी संगठन, कर्मकार जातियां	
	गतिविधि - भारत की प्राचीन कर्मकार जातियों को सूचीबद्ध करना।	
द्वितीय	**कार्य का समाजशास्त्र** 1. कार्य की अवधारणा, विशेषताएं एवं परिप्रेक्ष्य 2. उद्योग में कार्य नैतिकता 3. भारतीय समाज में कार्य	15
	सारबिन्दु – कार्य का समाजशास्त्र, कार्य नैतिकता, कार्य का समाजशास्त्रीय परिप्रेक्ष्य	
	गतिविधि - 'कार्य और समाज' पर ग्रन्थालय अध्ययन।	
तृतीय	**औद्योगिक संबंध एवं औद्योगिक विवाद** 1. मानव संबंध 2. सत्ता संबंध 3. औद्योगिक विवाद 3.1 अवधारणा 3.2 प्रभाव 3.3 कारण एवं निवारण	15
	सारबिन्दु – औद्योगिक संबंध , मानव संबंध, औद्योगिक विवाद	
	गतिविधि - हड़ताल पर विद्यार्थियों की समूह चर्चा।	
चतुर्थ	**भारत में श्रमिक संबंधी मुद्दे** 1. श्रम कानून एवं श्रमिक कल्याण कार्यक्रम 2. बदलते श्रमिक - प्रबंध संबंध : 2.1 हड़ताल 2.2 तालाबंदी 2.3 सामूहिक सौदेबाजी 3. श्रमिक संघ संगठन : राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय	15
	सारबिन्दु – श्रम कानून, श्रमिक कल्याण कार्यक्रम, सामूहिक सौदेबाजी	
	गतिविधि - किसी भी एक मजदूर संघ पर मोनोग्राफ बनाएं।	
पंचम	**औद्योगीकरण एवं भारत में सामाजिक परिवर्तन** 1. औद्योगिक नीति एवं नियोजन 2. स्वचालन एवं विवेकीकरण 3. सामाजिक सुरक्षा : 3.1 अवधारणा 3.2 सामाजिक बीमा तथा सामाजिक सहायता	15
	सारबिन्दु – औद्योगिक नीति, स्वचालन , विवेकीकरण, सामाजिक सुरक्षा	
	गतिविधि - मध्यप्रदेश की इन्वेस्टर्स मीट पर प्रतिवेदन बनाइए।	
	कुल व्याख्यान	75 घण्टे
भाग स- अनुशंसित अध्ययन संसाधन		
अनुशंसित पुस्तकें/ सहायक पुस्तकें/अन्य पाठ्य संसाधन/ पाठ्य सामग्री :		
1. जी.के. अग्रवाल, मनोज छापड़िया - औद्योगिक समाजशास्त्र		

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

2. प्रो. जीतेन्द्र प्रसाद- औद्योगिक समाजशास्त्र
3. यशेन्द्र सिन्हा, सपना माथुर, डॉ. रिचा शर्मा- औद्योगिक समाजशास्त्र
4. ओसामा लहरी- औद्योगिक समाजशास्त्र
5. नीरज कुमार, अनुपमा सिंघल, नितिन सिंघल- औद्योगिक समाजशास्त्र

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम:
https://nios.ac.in/online-course-material/sr-secondary-courses/Sociology-(331).aspx

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रमः
IGNOU & Other centrally/state operated Universities / MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.

भाग द-अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:

अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:सेमिनार, कक्षा परीक्षण, समूह चर्चा, कक्षा में उपस्थिति का उचित महत्व।

अधिकतम अंक: 100
सतत व्यापक मूल्यांकन- 40 अंक , विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक: 60

आकलन : 100 **विश्वविद्यालयीन परीक्षा:** समय- 03.00 घंटे	**खंड (ए) वस्तुनिष्ठ प्रश्न- 5 (5x1=5)** **खंड (बी): लघु प्रश्न - 5 (5x3=15)** **(आंतरिक विकल्प के साथ)** **खंड (सी): दीर्घ प्रश्न - 5 (5x8=40)** **(आंतरिक विकल्प के साथ)**	**कुल अंक 100**

कोईटिप्पणी/सुझाव:

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

Part A Introduction			
Program: P.G.	Class: M.A.	Year: Second Year	Session:2025-26
Subject: Sociology			

1	Course Code	CC-33
2	Course Title	Sociology of Work and Industry
3	Course Type (Core Course/Elective/ Generic Elective/Vocational/)	Core Course
4	Pre-requisite (if any)	1. Passed BA Honours or BA Honours with Research in Sociology as per National Education Policy - 2020. Or 2. Passed Post Graduate Diploma Course in Sociology
5	Course Learning Outcomes (CLO)	The course will enhance conceptual learning and understanding of Industrial Sociology among the students: 1. This paper will develop an understanding of the process and trends of industrialization in India and its impact amongst the students . 2. It will also make students aware of industrial policies and problems. 3. The students well versed in this course will be able to contribute towards prevention and mitigation of industrial problems, especially those related to human resources . 4. After studying this course, students will be able to find employment opportunities in the industrial sector.
6	Credit Value	Option -I =5, Option II & III=4
7	Total Marks	Max. Marks: 40+60 / Min. Passing Marks: 40

Part B-Content of the Course

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week):L-T-P:02-00-00=

Unit	Topics	No. of Lectures (1 Hour Each)
I	**Emergence of Industrial Sociology in India** 1. Ancient India and Industrial Society: 1.1 Guild System 1.2 Occupational Castes 2. Indian Perspective on Industrial Sociology 3. Industrial Sociology: 3.1 Concept	15

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

	3.2 Origin and Development 3.3 Scope and Nature	
	Keywords - Industrial Sociology, industrial society, Guild System, Occupational Castes	
	Activities - Listing the ancient working castes of India.	
II	**Sociology of Work** 1. Concept of Work, Characteristics, and Perspectives of Work 2. Work Ethics in Industry 3. Work in Indian Society	15
	Keywords - Sociology of Work, Work Ethics, Sociological Perspective of Work	
	Activities - Library Studies on 'Work and Society'.	
III	**Industrial Relations and Industrial Disputes** 1. Human Relations 2. Authority Relations 3. Industrial Disputes: 3.1 Concept 3.2 Impact 3.3 Causes and Remedies	15
	Keywords - Industrial Relations, Human Relations, Industrial Disputes	
	Activities - Group discussion of students on strike.	
IV	**Labour Issues in India** 1. Labour Legislation and Welfare Programs 2. Changing Labour-Management Relations: 2.1 Strike 2.2 Lockout 2.3 Collective Bargaining 3. Trade Union organization: National and International	15
	Keywords - Labour Legislation, Labour Welfare Programs, Collective Bargaining	
	Activities - Make a monograph on any one trade union.	
V	**Industrialization and Social Change in India** 1. Industrial Policy and Planning 2. Automation and Rationalization in Industry 3. Social Security: 3.1 Concept 3.2 Social Insurance and Social Assistance	15

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

	Keywords - Industrial Policy, Automation, Rationalization	
	Activities - Prepare a report on the investors meet of Madhya Pradesh.	
	Total Lectures	**75 Hours**

Part C-Learning Resources
Text Books, Reference Books, Other resources
Suggested Readings: 1. जी.के. अग्रवाल, मनोज छापड़िया - औद्योगिक समाजशास्त्र 2. प्रो. जीतेन्द्र प्रसाद- औद्योगिक समाजशास्त्र 3. योगेन्द्र सिन्हा, सपना माथुर, डॉ. रिचा शर्मा- औद्योगिक समाजशास्त्र 4. ओसामा लहरी- औद्योगिक समाजशास्त्र 5. नीरज कुमार, अनुपमा सिंघल, नितिन सिंघल- औद्योगिक समाजशास्त्र
Suggested equivalent online courses: https://nios.ac.in/online-course-material/sr-secondary-courses/Sociology-(331).aspx अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम: IGNOU & Other centrally/state operated Universities / MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.

Part D-Assessment and Evaluation		
Suggested Evaluation Methods: Seminar, Class Test, Group Discussion, Appropriate Weightage of attendance in the class. Maximum Marks:100 CCE- 40, University Exam Marks- 60		
External Assessment: University Exam Section: 100 Time: 03:00 Hours	**Section(A) Objective Types** Questions- 5 (5x1=5) **Section(B):**Short Questions - 5 (5x3=15) (With Internal Choice) **Section(C):**Long Questions - 5 (5x8=40) (With Internal Choice)	100
Any remarks/suggestions:		

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

Part A Introduction			
Program: P.G.	Class: M.A.	Year: Second Year	Session:2025-26
Subject: Sociology			

1	Course Code	CC-34	
2	Course Title	Sociology of Tourism	
3	Course Type (Core Course/Elective/ Generic Elective/Vocational/)	Elective	
4	Pre-requisite (if any)	1. Passed BA Honours or BA Honours with Research in Sociology as per National Education Policy - 2020. Or 2. Passed Post Graduate Diploma Course in Sociology	
5	Course Learning Outcomes (CLO)	1. Students will understand the sociological concept of tourism and its role in Indian tradition. 2. Students will analyse the social relations of tourism and culture/identity. 3. Students will understand the types of tourism, relations with local communities and the impact on markets. 4. Students will study the role of tourism in development, policies and innovations. 5. Students will evaluate tourism trends and social impacts in India, particularly in Madhya Pradesh.	
6	Credit Value	Option -I =5, Option II & III=4	
7	Total Marks	Max. Marks: 40+60	Min. Passing Marks: 40

Part B-Content of the Course		
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical(in hours per week):L-T-P:02-00-00=		
Unit	Topics	No. of Lectures (1 Hour Each)
I	**Sociological Perspective of Tourism and Indian Knowledge Tradition** Definition of tourism and its place in sociological studies Journey, pilgrimage and guest culture: Significance in Indian tradition Role of tourism in social change Interaction between tourism and social structure	15
	Keywords - Journey, pilgrimage, guest culture, social change, social structure	

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

	Activity - Prepare a report on guest pilgrimage in Indian tradition.	
II	**Tourism, Culture and Identity** Tourism and cultural exchange Cultural acculturation and marketization of culture Relations between tourists and local communities Culture, identity, and the tourist perspective	15
	Keywords - Cultural exchange, acculturation, identity tourists	
	Activity - Have a group discussion on tourism.	
III	**Types of Tourism, Local Relations and Changing Market** Major types of tourism: Cultural tourism Tribal tourism Rural tourism (ladpur khas Orchha) Medical tourism Eco-tourism Tourism and consumerism: Changing local markets and culture	15
	Keywords - Tourism, consumerism, local market.	
	Activity - Do research on tourist areas in your area.	
IV	**Tourism, Development, Policy and Innovation** Tourism and economic development Concept of sustainable tourism Overview of India's tourism policies Madhya Pradesh's tourism policy: Features and priorities Innovations in tourism: Digital technology, theme-based models, local participation	15
	Keywords - Tourism, Development, Policy, sustainable, Digital technology	
	Activity - Write a short story on a tourist place.	
V	**Tourism in India and Madhya Pradesh: A Social Perspective** Religious, cultural and heritage tourism in India Major national schemes: Incredible India, Swadesh Darshan Major tourist sites in Madhya Pradesh: Khajuraho, Sanchi, Pachmarhi, Orchha, Bhimbetka Role of tourism in employment, cultural preservation and local development	15

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

	Keywords - Religious, heritage, employment, development.	
	Activity - Discuss the tourism policy of Madhya Pradesh.	
	Total Lectures	**75 Hours**

Part C-Learning Resources
Text Books, Reference Books, Other resources

Suggested Readings:

1. Cohen, E. (1972). Sociology of Tourism. Prentice-Hall.
2. Urry, J. (1990). The Tourist Gaze. Sage Publications.
3. Smith, V. L. (1989). Hosts and Guests: The Anthropology of Tourism. University of Pennsylvania Press.
4. Fennell, D. A. (2008). Ecotourism: An Introduction. Routledge.
5. Apostolopoulos, Y., Leivadi, S., & Yiannakis, A. (Eds.). (1996). The Sociology of Tourism: Theoretical and Empirical Investigations. Routledge.
6. जोशी, अतुल, कुमार, अरुण, और जोशी, महेश (2010). भारत में आधुनिक पर्यटन. हिंदू रावत पब्लिकेशन।
7. व्यास, राजेश कुमार (2016). भारत में पर्यटन. प्रभात प्रकाशन।
8. शिवचंद्र, डॉ. पर्यटन का समाजशास्त्र. हिंदी साहित्य प्रकाशन।
9. यादव, अशोक कुमार (2009). पर्यटन और संस्कृति. राजकमल पब्लिकेशन।
10. कुमार, डॉ. रामनिवास (2013). भारतीय पर्यटन और समाजशास्त्र. वाणी प्रकाशन।
11. सिंह, डॉ. प्रकाश (2012). पर्यटन और सामाजिक परिवर्तन. हिंदी साहित्य प्रकाशन।
12. कुमार, डॉ. देवेंद्र (2014). पर्यटन और समाजशास्त्र. वाणी प्रकाशन।

Suggested equivalent online courses:

https://nios.ac.in/online-course-material/sr-secondary-courses/Sociology-(331).aspx

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रमः

IGNOU & Other centrally/state operated Universities / MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.

Part D-Assessment and Evaluation

Suggested Evaluation Methods: Seminar, Class Test, Group Discussion, Appropriate Weightage of attendance in the class.

Maximum Marks:100

CCE- 40, University Exam Marks- 60

External Assessment: University Exam Section: 100 Time: 03:00 Hours	**Section(A) Objective Types** Questions- 5 (5x1=5) **Section(B):**Short Questions - 5 (5x3=15) (With Internal Choice) **Section(C):**Long Questions - 5 (5x8=40) (With Internal Choice)	100

Any remarks/suggestions:

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

भाग अ- परिचय

कार्यक्रम: स्नातकोत्तर	कक्षा: एम.ए.	वर्ष : द्वितीय वर्ष	सत्र : 2025-2026

विषय: समाजशास्त्र

1	पाठ्यक्रम का कोड	CC-34
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	**पर्यटन का समाजशास्त्र**
3	पाठ्यक्रम का प्रकार : (कोरकोर्स/ इलेक्टिव/ जेनेरिक इलेक्टिव/ वोकेशनल)	**इलेक्टिव**
4	पूर्वापेक्षा (Prerequisite) (यदि कोई हो)	1. राष्ट्रीय शिक्षा नीति - 2020 के अनुसार समाजशास्त्र में बी.ए. ओनर्स या बी.ए. ओनर्स विथ रिसर्च उत्तीर्ण। अथवा 2. स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम (समाजशास्त्र) में उत्तीर्ण
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)	1. विद्यार्थी पर्यटन की समाजशास्त्रीय अवधारणा और भारतीय परंपरा में इसकी भूमिका को समझेंगे। 2. विद्यार्थी पर्यटन और संस्कृति/पहचान के सामाजिक संबंधों का विश्लेषण कर सकेंगे। 3. विद्यार्थी पर्यटन के प्रकारों, स्थानीय समुदायों से संबंधों और बाजार पर प्रभाव को समझेंगे। 4. विद्यार्थी पर्यटन के विकास, नीतियों और नवाचार की भूमिका का अध्ययन करेंगे। 5. विद्यार्थी भारत और विशेषकर मध्य प्रदेश में पर्यटन की प्रवृत्तियों और सामाजिक प्रभावों का मूल्यांकन कर सकेंगे।
6	क्रेडिट मान	विकल्प- I =5, विकल्प- II & III=4
7	कुल अंक	अधिकतम अंक: 40+60 ; न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 40

भागब- पाठ्यक्रम की विषय वस्तु

व्याख्यान की कुल संख्या- ट्यूटोरियल- प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में):L-T-P: 02-00-**00**= प्रति सप्ताह

इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या (01 घण्टा)
प्रथम	**पर्यटन का समाजशास्त्रीय दृष्टिकोण और भारतीय ज्ञान परंपरा** पर्यटन की परिभाषा और समाजशास्त्रीय अध्ययन में उसका स्थान यात्रा, तीर्थ और अतिथि-संस्कृति: भारतीय परंपरा में महत्व सामाजिक परिवर्तन और पर्यटन की भूमिका पर्यटन और सामाजिक संरचना में अंतःक्रिया	15
	सारबिन्दु – यात्रा, तीर्थ, अतिथि संस्कृति, सामाजिक परिवर्तन, सामाजिक संरचना	
	गतिविधि - भारतीय परम्परा में अतिथि-तीर्थ पर प्रतिवेदन बनाइए।	
द्वितीय	**पर्यटन, संस्कृति और पहचान** पर्यटन और सांस्कृतिक आदान-प्रदान सांस्कृतिक परसंस्कृतिकरण (acculturation) और संस्कृति का बाजारीकरण	15

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

	पर्यटकों और स्थानीय समुदायों के संबंध संस्कृति, पहचान और पर्यटक दृष्टिकोण	
	सारबिन्दु – सांस्कृतिक आदान-प्रदान, परसंस्कृतिकरण, पहचान, पर्यटक	
	गतिविधि - पर्यटन पर सामूहिक चर्चा करें।	
तृतीय	**पर्यटन के प्रकार, स्थानीय संबंध और बदलता बाज़ार** प्रमुख पर्यटन प्रकार: सांस्कृतिक पर्यटन आदिवासी पर्यटन ग्रामीण पर्यटन(लाडपुर खास ओरछा) चिकित्सा पर्यटन इको-टूरिज्म पर्यटन और उपभोक्तावाद: बदलता स्थानीय बाज़ार और संस्कृति	15
	सारबिन्दु – पर्यटन, उपभोक्तावाद, स्थानीय बाजार	
	गतिविधि - अपने क्षेत्र के पर्यटन क्षेत्रों पर शोध कार्य करें।	
चतुर्थ	**पर्यटन, विकास, नीति और नवाचार** पर्यटन और आर्थिक विकास सतत पर्यटन की अवधारणा भारत की पर्यटन नीतियों की रूपरेखा मध्य प्रदेश की पर्यटन नीति: विशेषताएँ और प्राथमिकताएँ पर्यटन में नवाचार: डिजिटल टेक्नोलॉजी, थीम आधारित मॉडल, स्थानीय भागीदारी	15
	सारबिन्दु – पर्यटन, विकास, नीति, सतत, डिजिटल टेक्नोलॉजी	
	गतिविधि - किसी पर्यटन स्थल पर लघुकथा लिखिए।	
पंचम	**भारत और मध्य प्रदेश में पर्यटन – सामाजिक परिप्रेक्ष्य** भारत में धार्मिक, सांस्कृतिक और विरासत पर्यटन प्रमुख राष्ट्रीय योजनाएँ: Incredible India, Swadesh Darshan मध्य प्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थल: खजुराहो, साँची, पचमढ़ी, ओरछा, भीमबेटका रोजगार, सांस्कृतिक संरक्षण और स्थानीय विकास में पर्यटन की भूमिका	15
	सारबिन्दु – धार्मिक, विरासत, रोजगार, विकास	
	गतिविधि - मध्यप्रदेश की पर्यटन नीति पर चर्चा करें।	
	कुल व्याख्यान	75 घण्टे

भाग स- अनुशंसित अध्ययन संसाधन

अनुशंसित पुस्तकें/ सहायक पुस्तकें/अन्य पाठ्य संसाधन/ पाठ्य सामग्री :

1. Cohen, E. (1972). Sociology of Tourism. Prentice-Hall.
2. Urry, J. (1990). The Tourist Gaze. Sage Publications.
3. Smith, V. L. (1989). Hosts and Guests: The Anthropology of Tourism. University of Pennsylvania Press.
4. Fennell, D. A. (2008). Ecotourism: An Introduction. Routledge.
5. Apostolopoulos, Y., Leivadi, S., & Yiannakis, A. (Eds.). (1996). The Sociology of Tourism: Theoretical and Empirical Investigations. Routledge.
6.जोशी, अतुल, कुमार, अरुण, और जोशी, महेश (2010). भारत में आधुनिक पर्यटन. हिंदू रावत पब्लिकेशन।
7. व्यास, राजेश कुमार (2016). भारत में पर्यटन. प्रभात प्रकाशन।

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

8. शिवचंद्र, डॉ. पर्यटन का समाजशास्त्र. हिंदी साहित्य प्रकाशन।
9.यादव, अशोक कुमार (2009). पर्यटन और संस्कृति. राजकमल पब्लिकेशन।
10. कुमार, डॉ. रामनिवास (2013). भारतीय पर्यटन और समाजशास्त्र. वाणी प्रकाशन।
11. सिंह, डॉ. प्रकाश (2012). पर्यटन और सामाजिक परिवर्तन. हिंदी साहित्य प्रकाशन।
12. कुमार, डॉ. देवेंद्र (2014). पर्यटन और समाजशास्त्र. वाणी प्रकाशन।

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम:
https://nios.ac.in/online-course-material/sr-secondary-courses/Sociology-(331).aspx

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम:
IGNOU & Other centrally/state operated Universities / MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.

भाग द-अनशंसित मूल्यांकन विधियां:

अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:सेमिनार, कक्षा परीक्षण, समूह चर्चा, कक्षा में उपस्थिति का उचित महत्व।
अधिकतम अंक: 100
सतत व्यापक मूल्यांकन- 40 अंक , विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक: 60

आकलन : 100 **विश्वविद्यालयीन परीक्षा:** समय- 03.00 घंटे	**खंड (ए) वस्तुनिष्ठ प्रश्न-** 5 (5x1=5) **खंड (बी): लघु प्रश्न -** 5 (5x3=15) **(आंतरिक विकल्प के साथ)** **खंड (सी): दीर्घ प्रश्न -** 5 (5x8=40) **(आंतरिक विकल्प के साथ)**	**कुल अंक** 100

कोईटिप्पणी/सुझाव:

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

Part A Introduction			
Program: P.G.	**Class: M.A.**	**Year: Second Year**	**Session:2025-26**

Subject: Sociology

1	**Course Code**	CC-35
2	**Course Title**	**Sociology of Crime and Deviance**
3	**Course Type (Core Course/Elective/ Generic Elective/Vocational/)**	**Elective**
4	**Pre-requisite (if any)**	1. Passed BA Honours or BA Honours with Research in Sociology as per National Education Policy - 2020. Or 2. Passed Post Graduate Diploma Course in Sociology
5	**Course Learning Outcomes (CLO)**	1. It will develop a comprehensive understanding of crime and deviance, including their definitions, causes, and social implications. 2. Analyze various sociological theories like Anomie, Differential Association, Labeling, and Power Theory to explain deviant behavior. 3. Identify and differentiate between various forms of crime and deviance, including organized crime, occupational crime, professional crime, and cybercrime. 4. Evaluate the structure and function of criminal justice and correctional systems, including punishment, probation, parole, and prison reforms. 5. Assess the impact of globalization, technology, and human rights issues on crime and deviance in the modern world.
6	**Credit Value**	Option -I =5, Option II & III=4
7	**Total Marks**	Max. Marks: 40+60 — Min. Passing Marks: 40

Part B-Content of the Course

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week):L-T-P:02-00-00=

Unit	Topics	No. of Lectures (1 Hour Each)
I	**Unit-1: UNDERSTANDING OF CRIME AND DEVIANCE** • Criminology- Meaning,Scope and Subject Matter.	15

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

	• Conceptual approaches to crime-legal and Sociology. • Deviance- Meaning,Scope and Subject Matter.	
	Keywords - Criminology, Deviance, Law	
	Activity - Invite a famous lawyer of the city to the class and conduct a discussion.	
II	**THEORETICAL PERSPECTIVE OF SOCIAL DEVIANCE** • Theoretical Perspectives of Social Deviance: • Anomie theory • Differential Association Theory • Labeling Theory • Power Theory	15
	Keywords - Social deviance, anomie, differential associations, labelling, power	
	Activity - To conduct a seminar on 'crime and deviance'.	
III	**FORMS OF CRIME AND DEVIANCE** • Forms of Deviance: Alcoholism; Drug addiction; Mental Disorder; Homosexuality; Beggary. • Forms of Crime Organized Crime: Concept, characteristics, and structure; • Occupational Crime: Concept, Elements, types, and effects; • Professional Crime: characteristics, types; • Cyber Crime: Concept and types	15
	Keywords - Alcoholism, drugs, mental disorders, homosexuality, begging, cyber crime	
	Activity - Organize a workshop on new dimensions of crime.	
IV	**CRIMINAL JUSTICE AND CORRECTIONAL SYSTEMS** • Punishment:Meaning,Nature and Aims • Theories of Punishment • Probation and Parole • Prison: Meaning,Nature and Aims • Role of Police in crime prevention	15

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

	• Open prison after care and rehabilitation compensation to victim	
	Keywords - Labour Legislation, Labour Welfare Programs, Collective Bargaining	
	Activity - Contact your city's police department and discuss crime and punishment.	
V	**CONTEMPORARY ISSUES IN CRIME AND DEVIANCE** • Globalization and Transnational Crimes • Human Rights and Crime • Technology and Crime: Challenges and Responses • Prisons and Punishment: Reforms and Alternatives • Social Change and Deviance in the Digital Age • Future Directions in Criminology	15
	Keywords - Globalization, Human Rights, Technology, Digital Age	
	Activity - Write research papers on various dimensions of crime and deviance.	
	Total Lectures	**75 Hours**

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

Part C-Learning Resources		
Text Books, Reference Books, Other resources		
Suggested Readings: 1. Dr. D.K. Biswas : Criminology and Penology 2. Dr.S.S. Shrivastava : Criminology, Penology and Victimology 3. डॉ. जे.के. अग्रवाल: अपराधशास्त्र 4. बसनी लाल साकेत: अपराधशास्त्र एवं दण्डशास्त्र 5. डॉ. जी.एल. शर्मा: आधुनिक अपराधशास्त्र 6. राम अहूजा अपराधशास्त्र		
Suggested equivalent online courses: https://nios.ac.in/online-course-material/sr-secondary-courses/Sociology-(331).aspx अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम: IGNOU & Other centrally/state operated Universities / MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.		
Part D-Assessment and Evaluation		
Suggested Evaluation Methods: Seminar, Class Test, Group Discussion, Appropriate Weightage of attendance in the class. Maximum Marks:100 CCE- 40, University Exam Marks- 60		
External Assessment: University Exam Section: 100 Time: 03:00 Hours	**Section(A) Objective Types** Questions- 5 (5x1=5) **Section(B):**Short Questions - 5 (5x3=15) (With Internal Choice) **Section(C):**Long Questions - 5 (5x8=40) (With Internal Choice)	100
Any remarks/suggestions:		

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

भाग अ- परिचय

कार्यक्रम: स्नातकोत्तर	कक्षा: एम.ए.	वर्ष : द्वितीय वर्ष	सत्र : 2025-2026

विषय: समाजशास्त्र

1	पाठ्यक्रम का कोड	CC-35
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	अपराध और विचलन का समाजशास्त्र
3	पाठ्यक्रम का प्रकार : (कोरकोर्स/ इलेक्टिव/ जेनेरिक इलेक्टिव/ वोकेशनल)	इलेक्टिव
4	पूर्वापेक्षा (Prerequisite) (यदि कोई हो)	1. राष्ट्रीय शिक्षा नीति - 2020 के अनुसार समाजशास्त्र में बी.ए. ओनर्स या बी.ए. ओनर्स विथ रिसर्च उत्तीर्ण। अथवा 2. स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम (समाजशास्त्र) में उत्तीर्ण
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)	1. यह अपराध और विचलन की व्यापक समझ विकसित करेगा, जिसमें उनकी परिभाषाएँ, कारण और सामाजिक प्रभाव शामिल हैं। 2. एनॉमी, विभेदक साहचर्य, लेबलिंग और शक्ति सिद्धांत जैसी विभिन्न समाजशास्त्रीय सिद्धांतों का विश्लेषण करना, जो विचलित व्यवहार की व्याख्या करते हैं। 3. संगठित अपराध, व्यावसायिक अपराध, पेशेवर अपराध और साइबर अपराध सहित विभिन्न प्रकार के अपराध और विचलन की पहचान करना और उनमें अंतर करना। 4. आपराधिक न्याय और सुधारात्मक प्रणालियों की संरचना और कार्यों का मूल्यांकन करना, जिसमें दंड, प्रोबेशन, पैरोल और जेल सुधार शामिल हैं। 5. वैश्वीकरण, प्रौद्योगिकी और मानवाधिकारों के मुद्दों का अपराध और विचलन पर आधुनिक दुनिया में प्रभाव का आकलन करना।
6	क्रेडिट मान	विकल्प- I =5, विकल्प- II & III=4
7	कुल अंक	अधिकतम अंक: 40+60 ; न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 40

भाग ब- पाठ्यक्रम की विषय वस्तु

व्याख्यान की कुल संख्या- ट्यूटोरियल- प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में):L-T-P: 02-00-**00**= प्रति सप्ताह

इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या (01 घण्टा)
प्रथम	**अपराध और विचलन की समझ** • अपराधशास्त्र– अर्थ, क्षेत्र और विषय वस्तु। • अपराध की संकल्पनात्मक दृष्टिकोण – कानूनी और समाजशास्त्रीय। • विचलन – अर्थ, क्षेत्र और विषय वस्तु।	15
	सारबिन्दु – अपराधशास्त्र, विचलन,कानून	
	गतिविधि - कक्षा में शहर के प्रसिद्ध वकील को आमंत्रित करा के चर्चा कराना।	

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

द्वितीय	**सामाजिक विचलन के सैद्धांतिक परिप्रेक्ष्य** • सामाजिक विचलन के सैद्धांतिक दृष्टिकोण: • एनॉमी सिद्धांत • विभेदक साहचर्य सिद्धांत • लेबलिंग सिद्धांत • शक्ति सिद्धांत **सारबिन्दु** – सामाजिक विचलन, एनॉमी, विभेदक साहचर्य, लेबलिंग, शक्ति **गतिविधि** - 'अपराध और विचलन' पर संगोष्ठी का आयोजन करना।	15
तृतीय	**अपराध और विचलन के रूप** • विचलन के रूप: मद्यपान, मादक पदार्थों की लत, मानसिक विकार, समलैंगिकता, भिक्षावृत्ति। • संगठित अपराध: अवधारणा, विशेषताएँ और संरचना। • व्यावसायिक अपराध: अवधारणा, तत्व, प्रकार और प्रभाव। • पेशेवर अपराध: विशेषताएँ, प्रकार। • साइबर अपराध: अवधारणा और प्रकार। **सारबिन्दु** –मद्यपान, मादक पदार्थों, मानसिक विकार, समलैंगिकता, भिक्षावृत्ति, साइबर अपराध **गतिविधि** - अपराध के नए आयाम पर कार्यशाला का आयोजन करना।	15
चतुर्थ	**आपराधिक न्याय और सुधारात्मक प्रणाली** • दंड: अर्थ, प्रकृति और उद्देश्य। • दंड के सिद्धांत • प्रोबेशन और पैरोल • जेल: अर्थ, प्रकृति और उद्देश्य। • अपराध निवारण में पुलिस की भूमिका • खुली जेल, पश्च देखभाल और पीड़ितों को मुआवजा। **सारबिन्दु** – दंड, प्रोबेशन, पैरोल, जेल, खुली जेल **गतिविधि** - अपने नगर के पुलिस विभाग से सम्पर्क कर अपराध और दंड पर चर्चा कराइये।	15
पंचम	**अपराध और विचलन के समकालीन मुद्दे** • वैश्वीकरण और अंतर्राष्ट्रीय अपराध • मानवाधिकार और अपराध • प्रौद्योगिकी और अपराध: चुनौतियाँ और समाधान • जेल और दंड: सुधार और विकल्प • डिजिटल युग में सामाजिक परिवर्तन और विचलन • अपराधविज्ञान के भविष्य के आयाम।	15

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

	सारबिन्दु – वैश्वीकरण, मानवाधिकार, प्रौद्योगिकी, डिजिटल युग **गतिविधि** - अपराध और विचलन के विविध आयामों पर शोध पत्र लेखन।	
	कुल व्याख्यान	75 घण्टे

भाग स- अनुशंसित अध्ययन संसाधन

अनुशंसित पुस्तकें/ सहायक पुस्तकें/अन्य पाठ्य संसाधन/ पाठ्य सामग्री :

1. Dr. D.K. Biswas : Criminology and Penology
2. Dr.S.S. Shrivastava : Criminology, Penology and Victimology
3. डॉ. जे.के. अग्रवाल: अपराधशास्त्र
4. बसनी लाल साकेत: अपराधशास्त्र एवं दण्डशास्त्र
5. डॉ. जी.एल. शर्मा: आधुनिक अपराधशास्त्र
6. राम अहूजा अपराधशास्त्र

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम:
https://nios.ac.in/online-course-material/sr-secondary-courses/Sociology-(331).aspx

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम:
IGNOU & Other centrally/state operated Universities / MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.

भाग द-अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:

अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:सेमिनार, कक्षा परीक्षण, समूह चर्चा, कक्षा में उपस्थिति का उचित महत्व।
अधिकतम अंक: 100
सतत व्यापक मूल्यांकन- 40 अंक , विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक: 60

आकलन : 100 **विश्वविद्यालयीन परीक्षा:** **समय- 03.00 घंटे**	**खंड (ए) वस्तुनिष्ठ प्रश्न- 5 (5x1=5)** **खंड (बी): लघु प्रश्न - 5 (5x3=15)** **(आंतरिक विकल्प के साथ)** **खंड (सी): दीर्घ प्रश्न - 5 (5x8=40)** **(आंतरिक विकल्प के साथ)**	**कुल अंक** **100**

कोईटिप्पणी/सुझाव:

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

Part A Introduction			
Program: P.G.	Class: M.A.	Year: Second Year	Session:2025-26

Subject: Sociology

1	Course Code	CC-36
2	Course Title	SOCIAL STRATIFICATION
3	Course Type (Core Course/Elective/ Generic Elective/Vocation al/)	Elective
4	Pre-requisite (if any)	1. Passed BA Honours or BA Honours with Research in Sociology as per National Education Policy - 2020. Or 2. Passed Post Graduate Diploma Course in Sociology
5	Course Learning Outcomes (CLO)	1. Demonstrate a comprehensive understanding of the meaning, nature, and dimensions of social stratification, including hierarchy, power, and social inequality. 2. Critically evaluate major theoretical approaches like Structural Functionalism, Marxian, and Weberian perspectives, along with contemporary debates on social stratification. 3. Analyze the origin, evolution, and contemporary challenges of the caste system in India, considering historical and modern contexts. 4. Explore the role of gender in social stratification, including the impact of patriarchy, feminist perspectives, and gender inequalities in various social spheres. 5. Identify and assess emerging forms of social stratification in digital spaces, reservation policies, and the impact of social movements in promoting social equality.
6	Credit Value	Option -I =5, Option II & III=4
7	Total Marks	Max. Marks: 40+60 — Min. Passing Marks: 40

Part B-Content of the Course

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical(in hours per week):L-T-P:02-00-00=

Unit	Topics	No. of Lectures (1 Hour Each)

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

I	**INTRODUCTION TO SOCIAL STRATIFICATION** • Introduction to Social Stratification: Meaning, Nature, and Characteristics • Dimensions of Social Stratification: Hierarchy and Difference; Social Differentiation; Social Equality and Inequality • Power and Domination: Exclusion; Deprivation; Discrimination	15
	Keywords - Social stratification, social distinction, power, dominance, exclusion, deprivation; discrimination	
	Activity - Group discussion in the class on social stratification.	
II	**THEORETICAL PERSPECTIVES OF STRATIFICATION** • Structural Functionalism Perspective • Marxian Perspective • Weberian perspective Debate on Stratification	15
	Keywords - Marxist perspective, Weberian perspective, debate	
	Activity - Seminar on Social Stratification.	
III	**CASTE SYSTEM IN INDIA** • Origin and Evolution of the Caste System • Varna and Jati: Concepts and Differences • Impact of Colonialism and Modernization on the Caste System • Changing Trends and Challenges in Contemporary India	15
	Keywords - Caste, Varna, Colonialism, Modernization	
	Activity - Conduct a survey on caste changes in your city.	
IV	**GENDER AND STRATIFICATION** • Gender as a Social Construct • Patriarchy and its Implications • Feminist Perspectives on Stratification	15

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

	• Gender Inequality in Education, Employment, and Politics	
	Keywords - Gender, Patriarchy, Feminist, Education, Employment, Politics	
	Activity - Make posters and slogans on gender equality.	
V	**CONTEMPORARY ISSUES AND CHALLENGES** • Intersectionality and Multiple Layers of Stratification • Caste and Class in Digital Spaces • Reservation Policies and Affirmative Action • Social Movements and the Quest for Equality	15

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

	Keywords - Interdisciplinarity, Digital Age, Reservation, Social Movement	
	Activity - Organise a debate competition on stratification.	
	Total Lectures	**75 Hours**

Part C-Learning Resources
Text Books, Reference Books, Other resources
Suggested Readings: 1- MacIver, Robert M & Charles Hunt Page (1949) Society: An Introductory Analysis, New York. 2- Beteille Andre (1965) Caste Class & Power, California University, Berkeley. 3- Ghurye GS (1961) Caste, Class & occupation, Popular Book Depot., Bombay. 4- Ogburn & Nimkoff (1947) Hand Book of Sociology, K.PAUL, Trench, Prebner and Comp.Ltd. London. 5- Giddens, A. (2006). Sociology (5th ed.). Oxford University Press. London 6- Horton and Hunt. (1964) Sociology The Discipline and its Dimensions: New Central Book Agency, Calcutta. 7- Johnson, Harry M.. (1988) Sociology A Systematic Introduction. Allied Publishers Pvt. Ltd, New Delhi. 8- Inkeles Alex, (1977) What is Sociology-Prentice-Hall of India, Pvt. Ltd., New Delhi. 9- Shankar Rao C.N. (2019) Sociology-S Chand and company Ltd. New Delhi 10-Shankar Rao C.N. (2018) Sociology of Indian society S Chand and company Ltd, New Delhi 11-Pandey Vinita (2016) Indian society and culture, Rawat Publication, Jaipur. 12-Bhushan Vidya and Sachdeva D.R. (2000) Kitab Mahal, Allahabad.
Suggested equivalent online courses: https://nios.ac.in/online-course-material/sr-secondary-courses/Sociology-(331).aspx अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम: IGNOU & Other centrally/state operated Universities / MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.
Part D-Assessment and Evaluation
Suggested Evaluation Methods: Seminar, Class Test, Group Discussion, Appropriate Weightage of attendance in the class. Maximum Marks:100

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

CCE- 40, University Exam Marks- 60		
External Assessment: University Exam Section: 100 Time: 03:00 Hours	**Section(A) Objective Types** Questions- 5 (5x1=5) **Section(B):**Short Questions - 5 (5x3=15) (With Internal Choice) **Section(C):**Long Questions - 5 (5x8=40) (With Internal Choice)	100
Any remarks/suggestions:		

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

भाग अ- परिचय			
कार्यक्रम: स्नातकोत्तर	कक्षा: एम.ए.	वर्ष : द्वितीय वर्ष	सत्र : 2025-2026
विषय: समाजशास्त्र			

1	पाठ्यक्रम का कोड	CC-36	
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	सामाजिक स्तरीकरण	
3	पाठ्यक्रम का प्रकार : (कोरकोर्स/ इलेक्टिव/ जेनेरिक इलेक्टिव/ वोकेशनल)	इलेक्टिव	
4	पूर्वापेक्षा (Prerequisite) (यदि कोई हो)	1. राष्ट्रीय शिक्षा नीति - 2020 के अनुसार समाजशास्त्र में बी.ए. ओनर्स या बी.ए. ओनर्स विथ रिसर्च उत्तीर्ण। अथवा 2. स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम (समाजशास्त्र) में उत्तीर्ण	
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)	1. विद्यार्थी सामाजिक स्तरीकरण का अर्थ, प्रकृति, और आयामों को समझ सकेगी, जिसमें पदानुक्रम, शक्ति, और सामाजिक असमानता शामिल हैं। 2. विद्यार्थी संरचनात्मक कार्यात्मकवाद, मार्क्सवादी, और वेबरवादी दृष्टिकोणों का गहन अध्ययन कर सामाजिक स्तरीकरण के सिद्धांतों को आलोचनात्मक दृष्टि से परख सकेगी। 3. विद्यार्थी भारत में जाति व्यवस्था की उत्पत्ति, विकास, और समकालीन चुनौतियों का ऐतिहासिक और आधुनिक संदर्भ में विश्लेषण कर सकेगी। 4. विद्यार्थी सामाजिक स्तरीकरण में लैंगिक असमानताओं, पितृसत्ता, और नारीवादी दृष्टिकोणों की भूमिका को समझ पाएगी।	
6	क्रेडिट मान	विकल्प- I =5, विकल्प- II & III=4	
7	कुल अंक	अधिकतम अंक: 40+60	न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 40

भाग ब- पाठ्यक्रम की विषय वस्तु

व्याख्यान की कुल संख्या- ट्यूटोरियल- प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में):L-T-P: 02-00-**00**= प्रति सप्ताह

इकाई	विषय	व्याख्यानकीसंख्या (01 घण्टा)
प्रथम	**सामाजिक स्तरीकरण का परिचय** • सामाजिक स्तरीकरण का अर्थ, प्रकृति, और विशेषताएँ • सामाजिक स्तरीकरण के आयाम: हस्तांतरण और भिन्नता; सामाजिक भेद; सामाजिक समानता और असमानता • शक्ति और वर्चस्व: बहिष्करण; वंचन; भेदभाव	15
	सारबिन्दु – सामाजिक स्तरीकरण, सामाजिक भेद, शक्ति, वर्चस्व, बहिष्करण, वंचन; भेदभाव	
	गतिविधि - सामाजिक स्तरीकरण पर कक्षा में समूह चर्चा।	

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

द्वितीय	**सामाजिक स्तरीकरण के सैद्धांतिक दृष्टिकोण** • संरचनात्मक कार्यात्मकतावादी दृष्टिकोण • मार्क्सवादी दृष्टिकोण • वेबरवादी दृष्टिकोण • सामाजिक स्तरीकरण पर वाद-विवाद	15
	सारबिन्दु – मार्क्सवादी दृष्टिको, वेबरवादी दृष्टिकोण, वाद-विवाद	
	गतिविधि - सामाजिक स्तरीकरण पर संगोष्ठी।	
तृतीय	**भारत में जाति व्यवस्था** • जाति व्यवस्था का उद्भव और विकास • वर्ण और जाति: अवधारणाएँ और भेद • उपनिवेशवाद और आधुनिकीकरण का जाति व्यवस्था पर प्रभाव • समकालीन भारत में जाति व्यवस्था के परिवर्तित स्वरूप और चुनौतियाँ	15
	सारबिन्दु – जाति, वर्ण, उपनिवेशवाद, आधुनिकीकरण	
	गतिविधि - अपने नगर में जाति में परिवर्तन पर सर्वेक्षण कराए।	
चतुर्थ	**लैंगिकता और सामाजिक स्तरीकरण** • लैंगिकता एक सामाजिक निर्माण के रूप में • पितृसत्ता और इसके प्रभाव • लैंगिक असमानता पर नारीवादी दृष्टिकोण • शिक्षा, रोजगार और राजनीति में लैंगिक असमानता	15
	सारबिन्दु – लैंगिकता, पितृसत्ता , नारीवादी, शिक्षा, रोजगार, राजनीति	
	गतिविधि - लैंगिक समानता पर पोस्टर, स्लोगन बनाइए।	
पंचम	**समकालीन मुद्दे और चुनौतियाँ** • अंत:विषयता (Intersectionality) और बहुस्तरीय सामाजिक स्तरीकरण • डिजिटल युग में जाति और वर्ग • आरक्षण नीतियाँ और सकारात्मक कार्रवाई (Affirmative Action) • सामाजिक आंदोलन और समानता की खोज	15
	सारबिन्दु – अंत:विषयता, डिजिटल युग, आरक्षण, सामाजिक आंदोलन	
	गतिविधि - स्तरीकरण पर वाद-विवाद प्रतियोगिता आयोजित करें।	
	कुल व्याख्यान	75 घण्टे

भाग स- अनुशंसित अध्ययन संसाधन

अनुशंसित पुस्तकें/ सहायक पुस्तकें/अन्य पाठय संसाधन/ पाठय सामग्री :

1- Maclver, Robert M & Charles Hunt Page (1949) Society: An Introductory Analysis, New York.
2- Beteille Andre (1965) Caste Class & Power, California University, Berkeley.
3- Ghurye GS (1961) Caste, Class & occupation, Popular Book Depot., Bombay.
4- Ogburn & Nimkoff (1947) Hand Book of Sociology, K.PAUL, Trench, Prebner and

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

Comp.Ltd. London.
5- Giddens, A. (2006). Sociology (5th ed.). Oxford University Press. London
6- Horton and Hunt. (1964) Sociology The Discipline and its Dimensions: New Central Book Agency, Calcutta.
7- Johnson, Harry M.. (1988) Sociology A Systematic Introduction. Allied Publishers Pvt. Ltd, New Delhi.
8- Inkeles Alex, (1977) What is Sociology-Prentice-Hall of India, Pvt. Ltd., New Delhi. 9-Shankar Rao C.N. (2019) Sociology-S Chand and company Ltd. New Delhi
10-Shankar Rao C.N. (2018) Sociology of Indian society S Chand and company Ltd, New Delhi
11-Pandey Vinita (2016) Indian society and culture, Rawat Publication, Jaipur.
12-Bhushan Vidya and Sachdeva D.R. (2000) Kitab Mahal, Allahabad.

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम:
https://nios.ac.in/online-course-material/sr-secondary-courses/Sociology-(331).aspx

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम:
IGNOU & Other centrally/state operated Universities / MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.

भाग द-अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:

अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:सेमिनार, कक्षा परीक्षण, समूह चर्चा, कक्षा में उपस्थिति का उचित महत्व।
अधिकतम अंक: 100
सतत व्यापक मूल्यांकन- 40 अंक , विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक: 60

आकलन : 100 **विश्वविद्यालयीन परीक्षा:** समय- 03.00 घंटे	**खंड (ए) वस्तुनिष्ठ प्रश्न-** 5 (5x1=5) **खंड (बी): लघु प्रश्न -** 5 (5x3=15) **(आंतरिक विकल्प के साथ)** **खंड (सी): दीर्घ प्रश्न -** 5 (5x8=40) **(आंतरिक विकल्प के साथ)**	**कुल अंक** 100

कोईटिप्पणी/सुझाव:

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

Part A Introduction			
Program: P.G.	Class: M.A.	Year: Second Year	Session:2025-26

Subject: Sociology

1	**Course Code**	**CC-41**
2	**Course Title**	**Sociology of Kinship, Marriage & Family**
3	**Course Type (Core Course/Elective/ Generic Elective/Vocational/)**	**Core Course**
4	**Pre-requisite (if any)**	Successful completion of the First Semester of the One-Year Postgraduate Programme in Sociology, or the Third Semester of the Two-Year Postgraduate Programme in Sociology.
5	**Course Learning Outcomes (CLO)**	After completing this course, students will be able to: 1. Understand key concepts, terminology, and theoretical perspectives related to kinship, marriage, and family in sociological discourse. 2. Analyze the structures and functions of kinship systems across cultures with a special focus on Indian society. 3. Interpret the changing patterns and transformations in marriage and family in the context of modernization and globalization. 4. Evaluate the role of gender, caste, class, and religion in shaping kinship and marital practices. 5. Apply sociological theories to understand contemporary issues such as divorce, live-in relationships, single parenting and families. 6. Develop a comparative perspective on kinship and family systems globally and critically engage with ethnographic case studies.
6	**Credit Value**	Option -I =5, Option II & III=4
7	**Total Marks**	Max. Marks: 40+60 / Min. Passing Marks: 40

Part B-Content of the Course

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical(in hours per week):L-T-P:02-00-00=

Unit	Topics	No. of Lectures (1 Hour Each)
I	Kinship : Definition, type usages, and classificatory kinship.	15

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

	Keywords - kinship, classification	
	Activity - Write a sociological explanation of your relationship with a relative.	
II	Marriage : Definition, types, ways to acquiring mates, preferential marriage sociological Significance of marriage.	**15**
	Keywords - Marriage, Preferential Marriage, Life Partner	
	Activity - Mention one social characteristic of marriage prevalent in your area.	
III	Family : a universal concept function of family, Typology of family, a polyandrous and matrilineal family.	**15**
	Keywords - Universal, family, polygamy, matrilineal	
	Activity - Group discussion on types of family (joint, nuclear, matriarchal)	
IV	Problems 1. Distances in kinship behavior 2. Divorce and widows 3. Broken family , old age person, loneliness in family. Gerontology, child problems	**15**
	Keywords - Divorce, widow, elderly, relatives	
	Activity - Visit to old age home	
V	1. Changing attitudes towards kinship. 2. Recent changes in marriage. & family system. 3. Impact of globalization on the Indian family system.	**15**
	Keywords - Kinship, Marriage, Family, Globalisation	
	Activity - Write a summary on the changes taking place in the family due to globalization	
	Total Lectures	**75 Hours**

Part C-Learning Resources
Text Books, Reference Books, Other resources

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

Suggested Readings:

1. शोभिता जैन: भारत में परिवार विवाह एवं नातेदारी
2. रेखा शर्मा: भारत में परिवार विवाह एवं नातेदारी
3. Patricea Oberoi : Marriage family and kinship in India
4. Leela Dubey : Sociology of Kinship
5. Robin fox : Kinship & Marriage

Suggested equivalent online courses:

https://nios.ac.in/online-course-material/sr-secondary-courses/Sociology-(331).aspx

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम:

IGNOU & Other centrally/state operated Universities / MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.

Part D-Assessment and Evaluation

Suggested Evaluation Methods: Seminar, Class Test, Group Discussion, Appropriate Weightage of attendance in the class.

Maximum Marks:100

CCE- 40, University Exam Marks- 60

External Assessment: University Exam Section: 100 Time: 03:00 Hours	**Section(A) Objective Types** Questions- 5 (5x1=5) **Section(B):**Short Questions - 5 (5x3=15) (With Internal Choice) **Section(C):**Long Questions - 5 (5x8=40) (With Internal Choice)	100

Any remarks/suggestions:

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

भाग अ- परिचय

कार्यक्रम: स्नातकोत्तर	कक्षा: एम.ए.	वर्ष : द्वितीय वर्ष	सत्र : 2025-2026

विषय: समाजशास्त्र

1	**पाठ्यक्रम का कोड**	CC-41
2	**पाठ्यक्रम का शीर्षक**	**नातेदारी, विवाह और परिवार का समाजशास्त्र**
3	**पाठ्यक्रम का प्रकार : (कोरकोर्स/ इलेक्टिव/ जेनेरिक इलेक्टिव/ वोकेशनल)**	**कोर कोर्स**
4	**पूर्वापेक्षा (Prerequisite) (यदि कोई हो)**	समाजशास्त्र में एक वर्षीय स्नातकोत्तर कार्यक्रम के प्रथम सेमेस्टर या दो वर्षीय स्नातकोत्तर कार्यक्रम के तृतीय सेमेस्टर की सफलतापूर्वक उत्तीर्ण।
5	**पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)**	इस पाठ्यक्रम के पूर्ण होने के पश्चात विद्यार्थी: 1. समाजशास्त्रीय विमर्श में संबंध, विवाह एवं परिवार से जुड़ी प्रमुख अवधारणाएँ, पारिभाषिक शब्दावली एवं सिद्धांत को समझ सकेंगे। 2. विभिन्न संस्कृतियों में संबंध प्रणालियों की संरचना एवं कार्यप्रणाली, विशेष रूप से भारतीय समाज के संदर्भ का विश्लेषण कर सकेंगे। 3. आधुनिकीकरण एवं वैश्वीकरण के प्रभाव से विवाह एवं परिवार में किस प्रकार के परिवर्तन आए है व्याख्या कि कर सकेंगे। 4. लिंग, जाति, वर्ग और धर्म किस प्रकार संबंध एवं विवाह प्रथाओं को आकार देते है का मूल्यांकन कर सकेंगे। 5. समाजशास्त्रीय सिद्धांतों का समकालीन मुद्दों जैसे तलाक, सहजीवन, एकल अभिभावकता तथा परिवारों को समझने हेतु अनुप्रयोग कर सकेंगे। 6. तुलनात्मक दृष्टिकोण विकसित कर सकेंगे जिससे वैश्विक संबंध व पारिवारिक व्यवस्थाओं को समझते हुए नृवंशविज्ञानात्मक अध्ययन का आलोचनात्मक मूल्यांकन किया जा सके।
6	**क्रेडिट मान**	विकल्प- I =5, विकल्प- II & III=4
7	**कुल अंक**	अधिकतम अंक: 40+60 न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 40

भागब- पाठ्यक्रम की विषय वस्तु

व्याख्यान की कुल संख्या- ट्यूटोरियल- प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में):L-T-P: 02-00-**00**= प्रति सप्ताह

इकाई	**विषय**	**व्याख्यानकीसंख्या (01 घण्टा)**
प्रथम	नातेदारी: परिभाषा, प्रकार, उपयोग और वर्गीकरण नातेदारी।	15
	सारबिन्दु – नातेदारी, वर्गीकरण	
	गतिविधि - एक रिश्तेदार के साथ अपने संबंध की समाजशास्त्रीय व्याख्या लिखें।	
द्वितीय	विवाह: परिभाषा, प्रकार, जीवन साथी प्राप्त करने के तरीके, अधिमान्य विवाह, विवाह का समाजशास्त्रीय महत्व।	15
	सारबिन्दु – विवाह, अधिमान्य विवाह, जीवन साथी	

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

	गतिविधि - अपने क्षेत्र में प्रचलित विवाह की एक सामाजिक विशेषता बताएं।	
तृतीय	परिवार: परिवार का एक सार्वभौमिक सिद्धांत सिद्धांत, परिवार का प्रकार, बहुपतित्व और मातृवंशीय परिवार।	15
	सारबिन्दु – सार्वभौमिक, परिवार, बहुपतित्व, मातृवंशीय	
	गतिविधि - परिवार के प्रकारों (संयुक्त, एकल, मातृसत्तात्मक) पर सामूहिक चर्चा	
चतुर्थ	समस्याएँ 1. नातेदारी व्यवहार में दूरियाँ 2. तलाक और विधवाएँ 3. टूटा हुआ परिवार, वृद्ध व्यक्ति, परिवार में अकेलापन। वृद्धावस्था, बच्चों की समस्याएँ	15
	सारबिन्दु – तलाक, विधवा, वृद्ध , नातेदारी	
	गतिविधि - वृद्धाश्रम का भ्रमण	
पंचम	1. नातेदारी के प्रति बदलते नजरिए 2. विवाह और परिवार व्यवस्था में हाल के बदलाव। 3. भारतीय परिवार व्यवस्था पर वैश्वीकरण का प्रभाव।	15
	सारबिन्दु – नातेदारी, विवाह, परिवार, वैश्वीकरण	
	गतिविधि - वैश्वीकरण के कारण परिवार में हो रहे बदलाव पर सारांश लिखें	
	कुल व्याख्यान	75 घण्टे

भाग स- अनुशंसित अध्ययन संसाधन

अनुशंसित पुस्तकें/ सहायक पुस्तकें/अन्य पाठ्य संसाधन/ पाठ्य सामग्री :

1. शोभिता जैन: भारत में परिवार विवाह एवं नातेदारी
2. रेखा शर्मा: भारत में परिवार विवाह एवं नातेदारी
3. Patricea Oberoi : Marriage family and kinship in India
4. Leela Dubey : Sociology of Kinship
5. Robin fox : Kinship & Marriage

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम:
https://nios.ac.in/online-course-material/sr-secondary-courses/Sociology-(331).aspx
अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रमः
IGNOU & Other centrally/state operated Universities / MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.

भाग द-अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:

अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:सेमिनार, कक्षा परीक्षण, समूह चर्चा, कक्षा में उपस्थिति का उचित महत्व।
अधिकतम अंक: 100
सतत व्यापक मूल्यांकन- 40 अंक , विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक: 60

आकलन : 100 **विश्वविद्यालयीन परीक्षा:** समय- 03.00 घंटे	**खंड (ए) वस्तुनिष्ठ प्रश्न- 5 (5x1=5)** **खंड (बी): लघु प्रश्न - 5 (5x3=15)** **(आंतरिक विकल्प के साथ)** **खंड (सी): दीर्घ प्रश्न - 5 (5x8=40)** **(आंतरिक विकल्प के साथ)**	**कुल अंक** 100

कोईटिप्पणी/सुझाव:

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

Part A Introduction			
Program: P.G.	**Class: M.A.**	**Year: Second Year**	**Session:2025-26**

Subject: Sociology

1	**Course Code**	**CC-42**
2	**Course Title**	**Polity and Society**
3	**Course Type (Core Course/Elective/ Generic Elective/Vocational/)**	**Core Course**
4	**Pre-requisite (if any)**	Successful completion of the First Semester of the One-Year Postgraduate Programme in Sociology, or the Third Semester of the Two-Year Postgraduate Programme in Sociology.
5	**Course Learning Outcomes (CLO)**	1. To explain the development of political sociology and various viewpoints. 2. To acquaint students with the basic concept of political sociology. 3. To acquaint students with the various systems of democracy, power and rights. 4. To explain the functioning of the party system, civil society and pressure groups. 5. To make students aware of political culture, ideology and political system.
6	**Credit Value**	Option -I =5, Option II & III=4
7	**Total Marks**	Max. Marks: 40+60 — Min. Passing Marks: 40

Part B-Content of the Course

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical(in hours per week):L-T-P:02-00-00=

Unit	Topics	No. of Lectures (1 Hour Each)
I	Development and Scope of Political Sociology; Major Approaches: System, Functional, and Marxian. Sociology of Politics. **Keywords** - Political sociology, systemic, Marxist **Activity** - Debate on Marxism vs. Indian Democracy	15

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

II	Basic Concepts: Bureaucracy, Authority and its Bases, Power, Elites, Political parties, Pressure Group, Political Culture, Political Socialization and Political Participation	15
	Keywords - Bureaucracy, authority, power, elite, political parties, pressure groups, political culture,	
	Activity - Poster Presentation on Core Political Concepts	
III	Totalitarian and Democratic Systems; Power & Authority; Political Elites; Citizenship. Approaches for the Study of Political System: Structural Functional, Conflict School, System Analysis and Behavioural Approach	15
	Keywords - Totalitarian, power, authority, elite, conflict school,	
	Activity - Comparative Report on Authoritarianism and Democracy	
IV	Pressure Groups; Political Party; Party Politics with special reference to U. P. & India; Civil Society versus State.	15
	Keywords - Pressure groups, political parties, civil society, state	
	Activity - Group Discussion on Local Political Issues in Madhya Pradesh	
V	Political Culture; Political Socialization; Political Mobilization; Political Modernization; Voting Behaviour. Types of Political System: Primitive, Traditional and Modern; Political development and Social Change; Ideology and Political System.	15
	Keywords - Political socialization, political mobilization, voting, modernization, ideology	
	Activity - Campaign Planning for Voter Awareness	
	Total Lectures	**75 Hours**

Part C-Learning Resources
Text Books, Reference Books, Other resources

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

भाग अ- परिचय

कार्यक्रम: स्नातकोत्तर	कक्षा: एम.ए.	वर्ष : द्वितीय वर्ष	सत्र : 2025-2026

विषय: समाजशास्त्र

1	पाठ्यक्रम का कोड	CC-42	
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	राजनीति और समाज	
3	पाठ्यक्रम का प्रकार : (कोरकोर्स/ इलेक्टिव/ जेनेरिक इलेक्टिव/ वोकेशनल)	कोर कोर्स	
4	पूर्वापेक्षा (Prerequisite) (यदि कोई हो)	समाजशास्त्र में एक वर्षीय स्नातकोत्तर कार्यक्रम के प्रथम सेमेस्टर या दो वर्षीय स्नातकोत्तर कार्यक्रम के तृतीय सेमेस्टर की सफलतापूर्वक उत्तीर्ण।	
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)	1. राजनीतिक समाजशास्त्र का विकास एवं विभिन्न दृष्टिकोण को समझाना। 2. राजनीतिक समाजशास्त्र की मूल अवधारणा से परिचित कराना। 3. लोकतंत्र की विभिन्न प्रणालियां, शक्ति एवं अधिकारों से परिचित कराना। 4. दलीय प्रणाली, नागारिक समाज एवं दबाव समूह की कार्यप्रणाली को समझाना। 5. छात्रों को राजनीति संस्कृति, विचाराधारा और राजनीतिक व्यवस्था से अवगत कराना।	
6	क्रेडिट मान	विकल्प- I =5, विकल्प- II & III=4	
7	कुल अंक	अधिकतम अंक: 40+60	न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 40

भागब- पाठ्यक्रम की विषय वस्तु

व्याख्यान की कुल संख्या- ट्यूटोरियल- प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में): L-T-P: 02-00-**00**= प्रति सप्ताह

इकाई	विषय	व्याख्यानकीसंख्या (01 घण्टा)
प्रथम	राजनीतिक समाजशास्त्र का विकास और दायरा; प्रमुख दृष्टिकोण: प्रणालीतंत्र , कार्यात्मक और मार्क्सवादी। राजनीति का समाजशास्त्र। **सारबिन्दु** – राजनीतिक समाजशास्त्र, प्रणालीतंत्र, मार्क्सवादी **गतिविधि -** मार्क्सवाद बनाम भारतीय लोकतंत्र पर वाद-विवाद।	15
द्वितीय	मूल अवधारणाएँ: नौकरशाही, प्राधिकरण और उसके आधार, शक्ति, अभिजात वर्ग, राजनीतिक दल, दबाव समूह, राजनीतिक संस्कृति, राजनीतिक समाजीकरण और राजनीतिक भागीदारी **सारबिन्दु** – नौकरशाही, प्राधिकरण, शक्ति, अभिजात वर्ग, राजनीतिक दल, दबाव समूह, राजनीतिक संस्कृति, **गतिविधि -** राजनीतिक अवधारणाओं पर पोस्टर प्रस्तुति।	15
तृतीय	अधिनायकवादी और लोकतांत्रिक प्रणालियाँ; शक्ति और अधिकार; राजनीतिक अभिजात वर्ग; नागरिकता। राजनीतिक प्रणाली के अध्ययन के लिए दृष्टिकोण:	15

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

	संरचनात्मक कार्यात्मक, संघर्ष स्कूल, प्रणाली विश्लेषण और व्यवहारिक दृष्टिकोण	
	सारबिन्दु – अधिनायकवादी, शक्ति, अधिकार, अभिजात वर्ग, संघर्ष स्कूल,	
	गतिविधि - अधिनायकवाद और लोकतंत्र पर तुलनात्मक रिपोर्ट।	
चतुर्थ	दबाव समूह; राजनीतिक दल; उत्तर प्रदेश एवं भारत के विशेष सन्दर्भ में दलीय राजनीति; नागरिक समाज बनाम राज्य।	15
	सारबिन्दु – दबाव समूह, राजनीतिक दल, नागरिक समाज, राज्य	
	गतिविधि - मध्य प्रदेश के स्थानीय राजनीतिक मुद्दों पर समूह चर्चा।	
पंचम	राजनीतिक संस्कृति; राजनीतिक समाजीकरण; राजनीतिक लामबंदी; राजनीतिक आधुनिकीकरण; मतदान व्यवहार। राजनीतिक व्यवस्था के प्रकार: आदिम, पारंपरिक और आधुनिक; राजनीतिक विकास और सामाजिक परिवर्तन; विचारधारा और राजनीतिक व्यवस्था।	15
	सारबिन्दु – राजनीतिक समाजीकरण, राजनीतिक लामबंदी, मतदान, आधुनिकीकरण, विचारधारा	
	गतिविधि - मतदान जागरूकता हेतु प्रचार-प्रसार योजना तैयार करना।	
	कुल व्याख्यान	75 घण्टे

भाग स- अनुशंसित अध्ययन संसाधन

अनुशंसित पुस्तकें/ सहायक पुस्तकें/अन्य पाठ्य संसाधन/ पाठ्य सामग्री :

1- एल.एन. शर्मा, कृष्ण मुरारी,: राजनीतिक समाजशास्त्र, ओरियण्ट बलेक रूबान हैदराबाद
2. Pradeep Basu : Political Sociology
3. Usha Shrivastava : Political Sociology
4. Satyabrata Chakraborty : Political Sociology
5. Ali Ashraf : Political Sociology
6- डॉ. जे.सी. जोहरी: राजनैतिक समाजशास्त्र

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम:
https://nios.ac.in/online-course-material/sr-secondary-courses/Sociology-(331).aspx

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रमः
IGNOU & Other centrally/state operated Universities / MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.

भाग द-अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:

अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:सेमिनार, कक्षा परीक्षण, समूह चर्चा, कक्षा में उपस्थिति का उचित महत्व।
अधिकतम अंक: 100
सतत व्यापक मूल्यांकन- 40 अंक , विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक: 60

आकलन : 100 **विश्वविद्यालयीन परीक्षा:** समय- 03.00 घंटे	**खंड (ए) वस्तुनिष्ठ प्रश्न-** **5 (5x1=5)** **खंड (बी): लघु प्रश्न -** **5 (5x3=15)** **(आंतरिक विकल्प के साथ)** **खंड (सी): दीर्घ प्रश्न -** **5 (5x8=40)** **(आंतरिक विकल्प के साथ)**	**कुल अंक 100**

कोईटिप्पणी/सुझाव:

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

Part A Introduction				
Program: P.G.		Class: M.A.	Year: Second Year	Session:2025-26
Subject: Sociology				
1	Course Code	CC-43		
2	Course Title	Social Psychology		
3	Course Type (Core Course/Elective/ Generic Elective/Vocational/)	Core Course		
4	Pre-requisite (if any)	Successful completion of the First Semester of the One-Year Postgraduate Programme in Sociology, or the Third Semester of the Two-Year Postgraduate Programme in Sociology.		
5	Course Learning Outcomes (CLO)	This course will create conceptual learning and understanding among students as follows - 1. The present course will help the students to understand the tradition of Indian psychology. 2. The present course will help the students to know the concept, definition and research methods of social psychology. 3. The present course will help the students to develop an understanding of the types of social influence, leadership and social norms. 4. The present course will help the students to understand attitude and change in detail. 5. The present course will help the students to know about social attraction, love relationships, autobiography, health, education, version and communication of social psychology.		
6	Credit Value	Option -I =5, Option II & III=4		
7	Total Marks	Max. Marks: 40+60	Min. Passing Marks: 40	
Part B-Content of the Course				
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week):L-T-P:02-00-00=				

Unit	Topics	No. of Lectures (1 Hour Each)
I	**The Tradition of Indian Psychology** 1. Concept of mind, soul, and behavior in Veda, Upanishad, and Geeta. 2. The social dimension of Yoga and Meditation. 3. Indian concept of mind and behavior. **Keywords** - Psychology, Tradition, Behaviour, Social Dimensions	15

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

	Activity - Students will select a quote related to mind or soul from the Bhagavad Gita or the Upanishads.	
II	**Introduction to Social Psychology** 1. Definition, nature, and scope of social psychology. 2. Development and historical perspective of social psychology. 3. Research methods of social psychology.	15
	Keywords - Social Psychology, Development, Research Methods, Theory	
	Activity - Students will explain one example of a research method used in social psychology	
III	**Social Influence and Conformity** 1. Types of social influence: Obedience, Conformity, Compliance. 2. Experiments by Asch, Milgram, and Zimbardo. 3. Group dynamics and leadership.	15
	Keywords - Social influence, conformity, leadership, social norms	
	Activity - Students will write a one-sentence summary of either the Asch Conformity Experiment or the Milgram Obedience Study.	
IV	**Attitudes and Change** 1. Definition, structure, and formulation of attitudes. 2. Methods of measuring attitudes. 3. Theories of attitude change: Hovland, Festinger (Cognitive Dissonance), Elaboration Likelihood Model (ELM).	15
	Keywords - Attitudes, Measurement, Behaviour, Change	
	Activity - Students will describe a personal experience in which their social perception changed and explain the reason behind that change.	
V	**Interpersonal Relationships and Social Behavior** 1. Social attraction, love, and relationships. 2. Aggression: Causes and control. 3. Application of social psychology in health, education, and organizations.	15
	Keywords - Interpersonal relations, behavioral aggression	
	Activity - Students will share a real-life social experience related to friendship or attraction and reflect briefly on the psychological dynamics involved.	
	Total Lectures	**75 Hours**

Part C-Learning Resources
Text Books, Reference Books, Other resources

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

Suggested Readings:

- Singh Arun Kumar (2017), "Samaj Manovigyan Ki Rooprekha", Motilal Banarsidass Publishers
- Baghel D.S., "Samajik Manovigyan", Madhya Pradesh Hindi Granth Academy, Bhopal
- Singh Uday Pratap, "Samajik Manovigyan", Bihar Hindi Granth Academy, Patna
- Pandey Sheel Swaroop, Bhartiya Samaj Mein Manovaigyanik Pravrittiyaan, Prayag Pustak Bhawan
- Srivastava A.K., Samajik Manovigyan Ke Mool Siddhant, Vinay Prakashan, Kanpur
- Mishra and Ajay Kumar, "Bhartiya Samajik Manovigyan", Hindi Granth Academy, Madhya Pradesh

Suggested equivalent online courses:

- Egyankosh Study Material https://egyankosh.ac.in/handle/123456789/73622
- UOU Study Material https://uou.ac.in/sites/default/files/slm/MASO-205.pdf

https://nios.ac.in/online-course-material/sr-secondary-courses/Sociology-(331).aspx

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम:

- IGNOU & Other centrally/state operated Universities / MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.

Part D-Assessment and Evaluation

Suggested Evaluation Methods: Seminar, Class Test, Group Discussion, Appropriate Weightage of attendance in the class.

Maximum Marks:100

CCE- 40, University Exam Marks- 60

External Assessment: University Exam Section: 100 Time: 03:00 Hours	**Section(A) Objective Types** Questions- 5 (5x1=5) **Section(B):**Short Questions - 5 (5x3=15) (With Internal Choice) **Section(C):**Long Questions - 5 (5x8=40) (With Internal Choice)	100

Any remarks/suggestions:

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

भाग अ- परिचय

कार्यक्रम: स्नातकोत्तर	**कक्षा: एम.ए.**	**वर्ष :** द्वितीय वर्ष	**सत्र : 2025-2026**

विषय: समाजशास्त्र

1	**पाठ्यक्रम का कोड**	CC-43	
2	**पाठ्यक्रम का शीर्षक**	**सामाजिक मनोविज्ञान**	
3	**पाठ्यक्रम का प्रकार : (कोरकोर्स/ इलेक्टिव/ जेनेरिक इलेक्टिव/ वोकेशनल)**	**कोर कोर्स**	
4	**पूर्वापेक्षा (Prerequisite) (यदि कोई हो)**	समाजशास्त्र में एक वर्षीय स्नातकोत्तर कार्यक्रम के प्रथम सेमेस्टर या दो वर्षीय स्नातकोत्तर कार्यक्रम के तृतीय सेमेस्टर की सफलतापूर्वक उत्तीर्ण।	
5	**पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)**	यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों में अवधारणात्मक सीख एवं निम्नलिखित समझ पैदा करेगा- 1. प्रस्तुत पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को भारतीय मनोविज्ञान की परंपरा को समझने में सहायता प्रदान करेगा। 2. प्रस्तुत पाठ्यक्रम सामाजिक मनोविज्ञान की अवधारणा परिभाषा और अनुसंधान पद्धतियों को जान पाएंगे। 3. प्रस्तुत पाठ्यक्रम में विद्यार्थी सामाजिक प्रभाव के प्रकारों नेतृत्व और सामाजिक मानदंड की समझ पैदा कर पाएंगे 4. प्रस्तुत पाठ्यक्रम में विद्यार्थी दृष्टिकोण और परिवर्तन को विस्तृत रूप से समझ पाएंगे। 5. प्रस्तुत पाठ्यक्रम में विद्यार्थी सामाजिक आकर्षण प्रेम संबंध आत्मकथा सामाजिक मनोविज्ञान का स्वास्थ्य शिक्षा वर्जन संचार के बारे में जान पाएंगे।	
6	**क्रेडिट मान**	विकल्प- I =5, विकल्प- II & III=4	
7	**कुल अंक**	अधिकतम अंक: 40+60	न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 40

भाग ब- पाठ्यक्रम की विषय वस्तु

व्याख्यान की कुल संख्या- ट्यूटोरियल- प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में):L-T-P: 02-00-**00**= प्रति सप्ताह

इकाई	**विषय**	**व्याख्यानकीसंख्या (01 घण्टा)**
प्रथम	**भारतीय मनोविज्ञान की परंपरा** 1. वेद, उपनिषद, गीता में मन, आत्मा और व्यवहार की अवधारणाएं 2. योग और ध्यान का सामाजिक आयाम 3. मन और व्यवहार की भारतीय अवधारणा	15
	सारबिन्दु – मनोविज्ञान, परंपरा, व्यवहार, सामाजिक आयाम	
	गतिविधि - छात्र गीता या उपनिषद से मन/आत्मा पर एक उद्धरण चुनकर उसकी व्याख्या करें।	
द्वितीय	**सामाजिक मनोविज्ञान का परिचय** 1. सामाजिक मनोविज्ञान की परिभाषा, प्रकृति एवं क्षेत्र 2. सामाजिक मनोविज्ञान का विकास और ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य 3. सामाजिक मनोविज्ञान की अनुसंधान पद्धतियाँ	15
	सारबिन्दु – सामाजिक मनोविज्ञान ,विकास, अनुसंधान पद्धतियां, सिद्धांत	

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

	गतिविधि - छात्र सामाजिक मनोविज्ञान की किसी एक शोध पद्धति का उदाहरण बताएं।	
तृतीय	**सामाजिक प्रभाव और अनुरूपता** 1. सामाजिक प्रभाव के प्रकार: आज्ञाकारिता, अनुरूपता, आज्ञापालन 2. Asch, Milgram और Zimbardo के प्रयोग 3. समूह गतिशीलता और नेतृत्व	15
	सारबिन्दु – सामाजिक प्रभाव, अनुरूपता, नेतृत्व ,सामाजिक मानदंड	
	गतिविधि - छात्र Asch या Milgram प्रयोग का सारांश एक वाक्य में लिखें।	
चतुर्थ	**दृष्टिकोण (Attitudes) और परिवर्तन** 1. दृष्टिकोण की परिभाषा, संरचना और निर्माण 2. दृष्टिकोण मापन की विधियाँ 3. दृष्टिकोण परिवर्तन के सिद्धांत: Hovland, Festinger (Cognitive Dissonance), Elaboration Likelihood Model (ELM)	15
	सारबिन्दु – दृष्टिकोण, मापन, व्यवहार ,परिवर्तन	
	गतिविधि - छात्र अपने किसी सामाजिक दृष्टिकोण में आए परिवर्तन का कारण बताएं।	
पंचम	**पारस्परिक संबंध और सामाजिक व्यवहार** 1. सामाजिक आकर्षण, प्रेम और संबंध 2. आक्रामकता : कारण और नियंत्रण 3. सामाजिक मनोविज्ञान का स्वास्थ्य, शिक्षा, संगठनों में उपयोग	15
	सारबिन्दु – पारस्परिक संबंध, व्यवहार आक्रामकता	
	गतिविधि - छात्र मित्रता या आकर्षण पर आधारित एक सामाजिक अनुभव साझा करें।	
	कुल व्याख्यान	75 घण्टे

भाग स- अनुशंसित अध्ययन संसाधन

अनुशंसित पुस्तकें/ सहायक पुस्तकें/अन्य पाठ्य संसाधन/ पाठ्य सामग्री :

- ❖ सिंह अरुण कुमार (2017), "समाज मनोविज्ञान की रूपरेखा", मोतीलाल बनारसीदास पब्लिशर्स
- ❖ बघेल डी.एस., "सामाजिक मनोविज्ञान", मध्यप्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी, भोपाल
- ❖ सिंह उदय प्रताप, "सामाजिक मनोविज्ञान", बिहार हिंदी ग्रंथ अकादमी, पटना
- ❖ पांडे शील स्वरूप, भारतीय समाज में मनोवैज्ञानिक प्रवृत्तियां, प्रयाग पुस्तक भवन
- ❖ श्रीवास्तव ए.के., सामाजिक मनोविज्ञान के मूल सिद्धांत, विनय प्रकाशन, कानपुर
- ❖ मिश्र एवं अजय कुमार, "भारतीय सामाजिक मनोविज्ञान", हिंदी ग्रंथ अकैडमी, मध्यप्रदेशसेमेस्टर – II

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम:

- ❖ Egyankosh Study Material https://egyankosh.ac.in/handle/123456789/73622
- ❖ UOU Study Material https://uou.ac.in/sites/default/files/slm/MASO-205.pdf

भाग द-अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:

अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:सेमिनार, कक्षा परीक्षण, समूह चर्चा, कक्षा में उपस्थिति का उचित महत्व।
अधिकतम अंक: 100
सतत व्यापक मूल्यांकन- 40 अंक , विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक: 60

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

आकलन : 100 **विश्वविद्यालयीन परीक्षा:** समय- 03.00 घंटे	**खंड (ए) वस्तुनिष्ठ प्रश्न- 5 (5x1=5)** **खंड (बी): लघु प्रश्न - 5 (5x3=15)** **(आंतरिक विकल्प के साथ)** **खंड (सी): दीर्घ प्रश्न - 5 (5x8=40)** **(आंतरिक विकल्प के साथ)**	**कुल अंक 100**

कोईटिप्पणी/सुझाव:

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

Part A Introduction				
Program: P.G.		Class: M.A.	Year: Second Year	Session:2025-26
Subject: Sociology				
1	Course Code	CC-44		
2	Course Title	Science, Technology and Society		
3	Course Type (Core Course/Elective/ Generic Elective/Vocational/)	Elective		
4	Pre-requisite (if any)	Successful completion of the First Semester of the One-Year Postgraduate Programme in Sociology, or the Third Semester of the Two-Year Postgraduate Programme in Sociology.		
5	Course Learning Outcomes (CLO)	1. Students will understand the evolution of technology from agrarian to post-industrial societies and its impact on social structures, political processes, and human relationships. 2. Students will Analyze the role of communication technologies in transforming social interactions, cultural boundaries, and media landscapes. 3. Students will assess the ethical, cultural, and legal challenges associated with artificial intelligence and its role in reshaping education, work, and governance. 4. Students will develop a comprehensive understanding of cyber security, cyber laws, and the societal impacts of cybercrimes in the digital age.		
6	Credit Value	Option -I =5, Option II & III=4		
7	Total Marks	Max. Marks: 40+60	Min. Passing Marks: 40	

Part B-Content of the Course		
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical(in hours per week):L-T-P:02-00-00=		
Unit	Topics	No. of Lectures (1 Hour Each)
I	**Technology and Society** • Historical Development of Technology: From Agrarian to Post-industrial Society • Technology and Political Processes: Surveillance, Governance, and Power • State Policies, the Digital Divide, and Social Inclusion	15

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

	• Technology and Transformations in Family and Kinship, Health Systems, Agriculture and Food Security **Keywords** - Technology, Post-industrial society, Surveillance, Governance and Power, Digital Divide, Social Inclusion **Activity** - Make a chart of any one stage of technological development (from agriculture to the digital age) and show the changes that have taken place in it.	
II	**The Digital Society** • The Concept of Digital Society: Definition and Scope • Sociological Perspectives on Digital Culture • Disembedding, Deterritorialization , and Social Distanciation (Giddens & beyond), Dig modernism and Liquid Modernity (Bauman) Glocalization and the Rise of Smart Spaces **Keywords** - digital society, digital culture, disjuncture, deterritorialization, liquid modernity **Activity** - Write a sociological perspective on any one aspect of "digital culture" (e.g. social media, virtual relationships).	**15**
III	**Network Society** • Time-Space Compression and Networked Sociality (Castell) • Global Flows, Local Boundaries, and Cultural Hybridity • Virtual Communities and Social Media Dynamics • Evolution of Media: From Print to Social Media **Keywords** - Global flows, network society, social media, virtual communities, **Activity** - List the characteristics of "virtual community" through examples of social media platforms.	**15**
IV	**Artificial Intelligence and Society** • Understanding Artificial Intelligence: Concepts and Classifications and tools • Foucault's Knowledge-Power Nexus and Algorithmic Governance • AI and the Future of Work, Education, and Skill Development • AI and the Restructuring of Social Institutions: Family, Community, and Democracy • Ethical, Legal, and Cultural Dimensions of AI **Keywords** - Artificial intelligence, knowledge-power relations, algorithmic governance, institutions, family, community and democracy	**15**

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

	Activity - Explain with an example how artificial intelligence might impact education or employment in the future.	
V	**The Cyber World and Cyber Crime** • The Emergence of Cyber Space: Definitions and Scope • Cyber security vs. Cyber Law: Concepts and Concerns • Cyber Crimes vs. Conventional Crimes: Key Differences, Types and Nature of Cyber Threats • Jurisdiction and Scope of Cyber Law: IT Act (2000) and Amendments Types and Sociological Implications of Cyber Crimes	**15**
	Keywords - Cyber space, Cyber security, Cyber crime, IT Act (2000)	
	Activity - A debate competition should be held in the class on cyber crime	
	Total Lectures	**75 Hours**

Part C-Learning Resources

Text Books, Reference Books, Other resources

Suggested Readings:

1. Nazimuddin Ahmed : Impact of Science & Technology and Society
2. Gerd Leonhard : Technology vs Humanity

Suggested equivalent online courses:
https://nios.ac.in/online-course-material/sr-secondary-courses/Sociology-(331).aspx

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम:
IGNOU & Other centrally/state operated Universities / MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.

Part D-Assessment and Evaluation

Suggested Evaluation Methods: Seminar, Class Test, Group Discussion, Appropriate Weightage of attendance in the class.
Maximum Marks:100
CCE- 40, University Exam Marks- 60

External Assessment: University Exam Section: 100 Time: 03:00 Hours	**Section(A) Objective Types** Questions- 5 (5x1=5) **Section(B):**Short Questions - 5 (5x3=15) (With Internal Choice) **Section(C):**Long Questions - 5 (5x8=40) (With Internal Choice)	100

Any remarks/suggestions:

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

भाग अ- परिचय			
कार्यक्रम: स्नातकोत्तर	कक्षा: एम.ए.	वर्ष : द्वितीय वर्ष	सत्र : 2025-2026
विषय: समाजशास्त्र			

1	पाठ्यक्रम का कोड	CC-44	
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	विज्ञान, प्रौद्योगिकी और समाज	
3	पाठ्यक्रम का प्रकार : (कोरकोर्स/ इलेक्टिव/ जेनेरिक इलेक्टिव/ वोकेशनल)	इलेक्टिव	
4	पूर्वापेक्षा (Prerequisite) (यदि कोई हो)	समाजशास्त्र में एक वर्षीय स्नातकोत्तर कार्यक्रम के प्रथम सेमेस्टर या दो वर्षीय स्नातकोत्तर कार्यक्रम के तृतीय सेमेस्टर की सफलतापूर्वक उत्तीर्ण।	
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)	1. छात्र कृषि आधारित समाजों से लेकर उत्तर-औद्योगिक समाजों तक प्रौद्योगिकी के विकास और इसके सामाजिक संरचनाओं, राजनीतिक प्रक्रियाओं और मानव संबंधों पर प्रभाव को समझेंगे। 2. छात्र संचार प्रौद्योगिकियों की भूमिका का विश्लेषण करेंगे, जो सामाजिक इंटरएक्शन, सांस्कृतिक सीमाओं और मीडिया परिदृश्यों को बदलने में योगदान करती हैं। 3. छात्र कृत्रिम बुद्धिमता से संबंधित नैतिक, सांस्कृतिक और कानूनी चुनौतियों का मूल्यांकन करेंगे और इसके शिक्षा, श्रम और शासकीय प्रक्रियाओं पर प्रभाव को समझेंगे। 4. छात्र साइबर सुरक्षा, साइबर कानूनों और डिजिटल युग में साइबर अपराधों के सामाजिक प्रभावों का समग्र दृष्टिकोण विकसित करेंगे।	
6	क्रेडिट मान	विकल्प- I =5, विकल्प- II & III=4	
7	कुल अंक	अधिकतम अंक: 40+60	न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 40

भाग ब- पाठ्यक्रम की विषय वस्तु

व्याख्यान की कुल संख्या- ट्यूटोरियल- प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में):L-T-P: 02-00-**00**= प्रति सप्ताह

इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या (01 घण्टा)
प्रथम	**प्रौद्योगिकी और समाज** • प्रौद्योगिकी का ऐतिहासिक विकास: कृषि से लेकर उत्तर-औद्योगिक समाज तक • प्रौद्योगिकी और राजनीतिक प्रक्रियाएँ: निगरानी, शासन और शक्ति • राज्य नीतियाँ, डिजिटल विभाजन और सामाजिक समावेशन • प्रौद्योगिकी और परिवर्तन: परिवार और नातेदारी,स्वास्थ्य प्रणालियों,कृषि और खाद्य सुरक्षा	15
	सारबिन्दु – प्रौद्योगिकी, उत्तर-औद्योगिक समाज, निगरानी, शासन और शक्ति, डिजिटल विभाजन, सामाजिक समावेशन	

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

	गतिविधि - तकनीकी विकास (कृषि से डिजिटल युग तक) के किसी एक चरण का चार्ट बनाकर उसमें हुए परिवर्तन को दर्शाएं।	
द्वितीय	**डिजिटल समाज** • डिजिटल समाज की अवधारणा: परिभाषा और अध्ययन क्षेत्र • डिजिटल संस्कृति पर समाजशास्त्रीय दृष्टिकोण • वियोजन, विक्षेत्रीकरण और सामाजिक दूरीकरण (गिडेंस और उससे आगे), डिजिमॉडर्निज्म और लिक्विड मॉडर्निटी (बॉमन) • ग्लोकलाइज़ेशन और स्मार्ट स्पेस का उदय	15
	सारबिन्दु – डिजिटल समाज, डिजिटल संस्कृति, वियोजन, विक्षेत्रीकरण, लिक्विड मॉडर्निटी	
	गतिविधि - "डिजिटल संस्कृति" के किसी एक पहलू (जैसे सोशल मीडिया, वर्चुअल रिलेशनशिप) में समाजशास्त्रीय दृष्टिकोण लिखें।	
तृतीय	**नेटवर्क समाज** • काल-स्थान संकुचन और संजालित सामाजिकता (कास्टेल्स) • वैश्विक प्रवाह, स्थानीय सीमाएँ और सांस्कृतिक संकरता • आभासी समुदाय और सोशल मीडिया की गतिशीलता • मीडिया का विकास: प्रिंट से सोशल मीडिया तक	15
	सारबिन्दु – वैश्विक प्रवाह, नेटवर्क समाज, सोशल मीडिया, आभासी समुदाय,	
	गतिविधि - सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के उदाहरणों के माध्यम से "आभासी समुदाय" की विशेषताएँ सूचीबद्ध करें।	
चतुर्थ	**कृत्रिम बुद्धिमत्ता और समाज** • कृत्रिम बुद्धिमत्ता का परिचय': अवधारणाएँ,वर्गीकरण और उपकरण • मिशेल फूको का ज्ञान-शक्ति संबंध और एल्गोरिथम शासन • कृत्रिम बुद्धिमत्ता और कार्य, शिक्षा और कौशल विकास का भविष्य • कृत्रिम बुद्धिमत्ता और सामाजिक संस्थाओं का पुनर्गठन: परिवार, समुदाय और लोकतंत्र • कृत्रिम बुद्धिमत्ता के नैतिक, कानूनी और सांस्कृतिक आयाम	15
	सारबिन्दु – कृत्रिम बुद्धिमत्ता, ज्ञान-शक्ति संबंध, एल्गोरिथम शासन, संस्थाओं , परिवार, समुदाय और लोकतंत्र	
	गतिविधि - एक उदाहरण द्वारा बताएं कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता से भविष्य में शिक्षा या रोजगार कैसे प्रभावित हो सकता है।	
पंचम	**साइबर दुनिया और साइबर अपराध** • साइबर स्पेस का उदय: परिभाषाएँ और अध्ययन क्षेत्र • साइबर सुरक्षा बनाम साइबर कानून: अवधारणाएँ और चिंताएँ • साइबर अपराध बनाम पारंपरिक अपराध: मुख्य अंतर,प्रकार और प्रकृति • साइबर कानून का क्षेत्राधिकार और दायरा: आईटी अधिनियम (2000) और संशोधन • साइबर अपराधों के प्रकार और समाजशास्त्रीय निहितार्थ	15

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

	सारबिन्दु – साइबर स्पेस, साइबर सुरक्षा, साइबर अपराध, आईटी अधिनियम (2000)	
	गतिविधि - साइबर अपराध को लेकर कक्षा में एक डिबेट कंपटीशन रखा जाए	
	कुल व्याख्यान	75 घण्टे

भाग स- अनुशंसित अध्ययन संसाधन

अनुशंसित पुस्तकें/ सहायक पुस्तकें/अन्य पाठ्य संसाधन/ पाठ्य सामग्री :

1. Nazimuddin Ahmed : Impact of Science & Technology and Society
2. Gerd Leonhard : Technology vs Humanity

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम:
https://nios.ac.in/online-course-material/sr-secondary-courses/Sociology-(331).aspx

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रमः
IGNOU & Other centrally/state operated Universities / MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.

भाग द-अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:

अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:सेमिनार, कक्षा परीक्षण, समूह चर्चा, कक्षा में उपस्थिति का उचित महत्व।
अधिकतम अंक: 100
सतत व्यापक मूल्यांकन- 40 अंक , विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक: 60

आकलन : 100 **विश्वविद्यालयीन परीक्षा**: समय- 03.00 घंटे	**खंड (ए) वस्तुनिष्ठ प्रश्न-** **5 (5x1=5)** **खंड (बी): लघु प्रश्न -** **5 (5x3=15)** **(आंतरिक विकल्प के साथ)** **खंड (सी): दीर्घ प्रश्न -** **5 (5x8=40)** **(आंतरिक विकल्प के साथ)**	**कुल अंक** 100

कोईटिप्पणी/सुझाव:

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

Part A Introduction			
Program: P.G.	Class: M.A.	Year: Second Year	Session:2025-26

Subject: Sociology		
1	Course Code	CC-45
2	Course Title	Artificial Intelligence and Society
3	Course Type (Core Course/Elective/ Generic Elective/Vocational/)	Elective
4	Pre-requisite (if any)	Successful completion of the First Semester of the One-Year Postgraduate Programme in Sociology, or the Third Semester of the Two-Year Postgraduate Programme in Sociology.
5	Course Learning Outcomes (CLO)	Upon successful completion of the course "Artificial Intelligence and Society", students will be able to: 1. Explain the sociological concepts, theories, and perspectives relevant to the understanding of Artificial Intelligence and its societal impact. 2. Evaluate how AI technologies reshape human behavior, social relationships, institutions, and identities in contemporary society. 3. Identify and critique ethical concerns and social consequences related to AI, such as surveillance, bias, privacy, discrimination, and labor displacement. 4. Assess the implications of AI on issues of class, caste, gender, race, and digital inequality. 5. Analyze national and global policies on AI governance and the role of sociologists in shaping equitable and inclusive AI systems. Use sociological methods and frameworks to investigate real-world case studies involving AI applications in sectors such as education, healthcare, policing, and employment.
6	Credit Value	Option -I =5, Option II & III=4
7	Total Marks	Max. Marks: 40+60 / Min. Passing Marks: 40

Part B-Content of the Course		
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week):L-T-P:02-00-00=		
Unit	Topics	No. of Lectures (1 Hour Each)

I	Introduction to Artificial Intelligence	15

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

	1. Meaning, Definition, History, Characteristics, Development of Artificial Intelligence. 2. Type of Artificial Intelligence -Machine learning, Deep learning. 3. Artificial Intelligence Need in Sociology, Relation between Sociology.	
	Keywords - Artificial Intelligence, Machine Learning, Deep Learning, Tool Talks	
	Activity - Chart making on the meaning, development and sociological relations of artificial intelligence	
II	Artificial Intelligence and Sociological Perspective 1. Sociological Thought on Technology , Max Weber, Thorsten Veblen, Daniel Bell 2. Artificial Intelligence With reference to Michel Foucault Knowledge Power Theory . 3. Technical determinism and Technical Social Structure .	15
	Keywords - Artificial intelligence, technology, technical knowledge, power, theory, determinism	
	Activity - Poster making on analysis of technology by sociologists	
III	Evolution of Artificial Intelligence 1. Impact of Artificial intelligence on Education and Employment. 2. Evolution of Digital Society. 3. Robotic Culture,Meaning, Characteristics, Importance, Side Effects	15
	Keywords - Artificial Intelligence, Education, Employment, Robotic Culture, Digital Society	
	Activity - Short Essay Writing on Robotic Culture and Employment	
IV	Ethical and Cultural Dimensions Of Artificial Intelligence 1. Artificial Intelligence -Ethics and Conflict of Human Values. 2. Artificial Intelligence -law,Legislation 3. Artificial Intelligence -Mass Media, Chatbot, Profit And loss of Mobile Robot	15
	Keywords - Artificial Intelligence, Mass Media, Chatbots, Mobile, Robots	
	Activity - Table making on ethical dilemmas and solutions.	
V	Future of Artificial Intelligence Society 1. Artificial Intelligence and Future ---Impact of Community, Group, and Family Relation. Impact on Democracy. 2. Concept of Internet Society. 3. Lifestyle of Artificial Intelligence, Form of future	15

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

	Employment	
	Keywords - Artificial intelligence, community, group, family, network society	
	Activity - Group Discussion on the topic "Artificial Intelligence and Democracy"	
	Total Lectures	**75 Hours**

Part C-Learning Resources
Text Books, Reference Books, Other resources
Suggested Readings: 1. डॉ गिरीश वालावलकर,आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस :-माय मिरर पब्लिसिंग हायूस, पुणे 2. आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ,रीना थरेजा,पियर्सन बुक्स,दिल्ली
Suggested equivalent online courses: https://nios.ac.in/online-course-material/sr-secondary-courses/Sociology-(331).aspx अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम: IGNOU & Other centrally/state operated Universities / MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.
Part D-Assessment and Evaluation
Suggested Evaluation Methods: Seminar, Class Test, Group Discussion, Appropriate Weightage of attendance in the class. Maximum Marks:100 CCE- 40, University Exam Marks- 60

External Assessment: University Exam Section: 100 Time: 03:00 Hours	**Section(A) Objective Types** Questions- 5 (5x1=5) **Section(B):**Short Questions - 5 (5x3=15) (With Internal Choice) **Section(C):**Long Questions - 5 (5x8=40) (With Internal Choice)	100
Any remarks/suggestions:		

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

भाग अ- परिचय

कार्यक्रम: स्नातकोत्तर	कक्षा: एम.ए.	वर्ष : द्वितीय वर्ष	सत्र : 2025-2026

विषय: समाजशास्त्र

1	पाठ्यक्रम का कोड	CC-45
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	कृत्रिम बुद्धिमत्ता और समाज
3	पाठ्यक्रम का प्रकार : (कोरकोर्स/ इलेक्टिव/ जेनेरिक इलेक्टिव/ वोकेशनल)	इलेक्टिव
4	पूर्वापेक्षा (Prerequisite) (यदि कोई हो)	समाजशास्त्र में एक वर्षीय स्नातकोत्तर कार्यक्रम के प्रथम सेमेस्टर या दो वर्षीय स्नातकोत्तर कार्यक्रम के तृतीय सेमेस्टर सफलतापूर्वक उत्तीर्ण।
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)	"आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और समाज" पाठ्यक्रम के सफल समापन पर, छात्र निम्न कार्य करने में सक्षम होंगे: 1. आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और इसके सामाजिक प्रभाव को समझने के लिए प्रासंगिक समाजशास्त्रीय अवधारणाओं, सिद्धांतों और दृष्टिकोणों की व्याख्या करें। 2. मूल्यांकन करें कि कैसे AI तकनीकें समकालीन समाज में मानव व्यवहार, सामाजिक संबंधों, संस्थानों और पहचानों को नया रूप देती हैं। 3. निगरानी, पूर्वाग्रह, गोपनीयता, भेदभाव और श्रम विस्थापन जैसे AI से संबंधित नैतिक चिंताओं और सामाजिक परिणामों की पहचान करें और उनकी आलोचना करें। 4. वर्ग, जाति, लिंग, नस्ल और डिजिटल असमानता के मुद्दों पर AI के निहितार्थों का आकलन करें। 5. AI शासन पर राष्ट्रीय और वैश्विक नीतियों और न्यायसंगत और समावेशी AI प्रणालियों को आकार देने में समाजशास्त्रियों की भूमिका का विश्लेषण करें। शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, पुलिस और रोजगार जैसे क्षेत्रों में AI अनुप्रयोगों से जुड़े वास्तविक दुनिया के केस स्टडीज़ की जाँच करने के लिए समाजशास्त्रीय तरीकों और रूपरेखाओं का उपयोग करें।
6	क्रेडिट मान	विकल्प- I =5, विकल्प- II & III=4
7	कुल अंक	अधिकतम अंक: 40+60 ; न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 40

भाग ब- पाठ्यक्रम की विषय वस्तु

व्याख्यान की कुल संख्या- ट्यूटोरियल- प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में):L-T-P: 02-00-**00**= प्रति सप्ताह

इकाई	विषय	व्याख्यानकीसंख्या (01 घण्टा)
प्रथम	**कृत्रिम बुद्धिमत्ता का परिचय** 1. अर्थ,परिभाषा,इतिहास, विकास,विशेषता, 2. एआई के प्रकार,,मशीन लर्निंग,डीप लर्निंग,टूल टाक्स(कृतिम बुद्धिमत्ता उपकरण)	15

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

	3. समाजशास्त्र में ए आई अध्ययनकी आवश्यकता,कृतिम बुद्धिमत्ता और समाजशास्त्र में संबंध ।	
	सारबिन्दु – कृत्रिम बुद्धिमत्ता, मशीन लर्निंग,डीप लर्निंग,टूल टाक्स	
	गतिविधि - कृत्रिम बुद्धिमत्ता का अर्थ, विकास एवं समाजशास्त्रीय संबंधों पर चार्ट निर्माण	
द्वितीय	कृत्रिम बुद्धिमत्ता और समाजशास्त्रीय परिपेक्ष्य। 1. तकनीक पर समाजशास्तिय विचार--मैक्स वेबर,बेबलेन, डेनियल बेल् 2. मिशेल फूको के के सन्दर्भ में ए आई 3. समाज का और तकनीकी सामाजिक संरचना ।	15
	सारबिन्दु – कृत्रिम बुद्धिमत्ता, तकनीक, तकनीकी ज्ञान, शक्ति, सिद्धान्त, निर्धारणवाद	
	गतिविधि - समाजशास्त्रियों द्वारा तकनीक के विश्लेषण पर पोस्टर निर्माण	
तृतीय	कृत्रिम बुद्धिमता का मूल्यांकन। 1. एआई का पर शिक्षा,रोजगार प्रभाव, । 2. डिजिटल समाज का मूल्यांकन 3. रोबोटिक संस्कृति --अर्थ, विशेषता, महत्व, दुष्प्रभाव.	15
	सारबिन्दु – कृत्रिम बुद्धिमता, शिक्षा,रोजगार, रोबोटिक संस्कृति, डिजिटल समाज	
	गतिविधि - रोबोटिक संस्कृति और रोजगार पर लघु निबंध लेखन	
चतुर्थ	कृत्रिम बुद्धिमता के नैतिक-सांस्कृतिक आयाम। 1. कृत्रिम बुद्धिमता- नैतिकता एवम मानव मूल्यों का संघर्ष। 2. कृत्रिम बुद्धिमत्ता- कानून,विनियमन। 3. कृत्रिम बुद्धिमता- मास मीडिया,चेटबोट,मोबाइल रोबोट के लाभ--हानि ।	15
	सारबिन्दु – कृत्रिम बुद्धिमत्ता, मास मीडिया, चेटबोट, मोबाइल, रोबोट	
	गतिविधि - नैतिक दुविधाओं और समाधान पर तालिका निर्माण	
पंचम	कृत्रिम बुद्धिमता समाज का भविष्य। 1. कृत्रिम बुद्धिमत्ता और भविष्य--समुदाय,समूह,पारिवारिक संबंधों पर प्रभाव। लोकतंत्र पर प्रभाव। 2. नेटवर्क समाज (Networking Society) - अवधारणा। 3. कृत्रिम बुद्धिमता की जीवन शैली,भविष्य के रोजगार का स्वरूप।	15
	सारबिन्दु – कृत्रिम बुद्धिमत्ता, समुदाय,समूह,पारिवारिक, नेटवर्क समाज	
	गतिविधि - "कृत्रिम बुद्धिमत्ता और लोकतंत्र" विषय पर समूह चर्चा	
	कुल व्याख्यान	75 घण्टे

भाग स- अनुशंसित अध्ययन संसाधन

अनुशंसित पुस्तकें/ सहायक पुस्तकें/अन्य पाठ्य संसाधन/ पाठ्य सामग्री :

1. डॉ गिरीश वालावलकर,आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस :--माय मिरर पब्लिसिंग हायूस, पुणे
2. आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ,रीना थरेजा,पियर्सन बुक्स,दिल्ली

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम:
https://nios.ac.in/online-course-material/sr-secondary-courses/Sociology-(331).aspx
अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रमः
IGNOU & Other centrally/state operated Universities / MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.

भाग द-अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:

अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:सेमिनार, कक्षा परीक्षण, समूह चर्चा, कक्षा में उपस्थिति का उचित महत्व।

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

अधिकतम अंक: 100

सतत व्यापक मूल्यांकन- 40 अंक , विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक: 60

आकलन : 100 **विश्वविद्यालयीन परीक्षा:** समय- 03.00 घंटे	**खंड (ए) वस्तुनिष्ठ प्रश्न- 5 (5x1=5)** **खंड (बी): लघु प्रश्न - 5 (5x3=15)** **(आंतरिक विकल्प के साथ)** **खंड (सी): दीर्घ प्रश्न - 5 (5x8=40)** **(आंतरिक विकल्प के साथ)**	**कुल अंक** 100

कोईटिप्पणी/सुझाव:

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

Part A Introduction			
Program: P.G.	Class: M.A.	Year: Second Year	Session:2025-26

Subject: Sociology

1	Course Code	CC-46
2	Course Title	Dissertation
3	Course Type (Core Course/Elective/ Generic Elective/Vocational/)	Elective
4	Pre-requisite (if any)	Successful completion of the First Semester of the One-Year Postgraduate Programme in Sociology, or the Third Semester of the Two-Year Postgraduate Programme in Sociology.
5	Course Learning Outcomes (CLO)	1. Demonstrate the ability to identify, formulate, and articulate a research problem relevant to sociological theory and practice. (Bloom's Level: Understand & Apply) 2. Develop a research design using appropriate sociological methods, tools, and techniques of data collection. (Bloom's Level: Apply & Analyze) 3. Analyze primary and/or secondary data using relevant theoretical frameworks and interpret sociological findings logically. (Bloom's Level: Analyze & Evaluate) 4. Exhibit competence in academic writing, including citation, referencing, and report formatting as per research standards. (Bloom's Level: Apply & Create) 5. Present research findings coherently through oral, written, or visual means, demonstrating critical thinking and academic integrity. (Bloom's Level: Evaluate & Create)
6	Credit Value	05
7	Total Marks	Max. Marks: 100 — Min. Passing Marks: 40

Part B-Content of the Course

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week):L-T-P:02-00-00=

Unit	Topics

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

I	This paper will be offered by IV semester students only. Having obtained a 60% mark at the minimum in two semesters total aggregate. Topic of dissertation will be selected by the students after consultation with the teacher of the department who is acting as supervisor and with the approval of the head of department. The number of the students undertaking the dissertation work under a particular teacher will be determined by the head of the department. Dissertation completed and duly signed by the supervisor and counter signed by the head of department will be submitted in duplicate to the head of department of Sociology by 31st of March at the end of the current session. Evaluation of dissertation will be done out of 100 marks by the external examiner appointed by the Registrar University/Principal.

Part C-Learning Resources		
Text Books, Reference Books, Other resources		
Suggested Readings:		
Suggested equivalent online courses:		
Part D-Assessment and Evaluation		
Suggested Evaluation Methods: Maximum Marks:100		
External Assessment: 50 **Internal Evaluation - 50**		Total- 100
Any remarks/suggestions:		

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

भागअ- परिचय

कार्यक्रम: स्नातकोत्तर	कक्षा: एम.ए.	वर्ष : द्वितीय वर्ष	सत्र : 2025-2026

विषय: समाजशास्त्र

1	पाठ्यक्रम का कोड	CC-46	
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	**डिजरटेशन**	
3	पाठ्यक्रम का प्रकार : (कोरकोर्स/ इलेक्टिव/ जेनेरिक इलेक्टिव/ वोकेशनल)	**इलेक्टिव**	
4	पूर्वापेक्षा (Prerequisite) (यदि कोई हो)	समाजशास्त्र में एक वर्षीय स्नातकोत्तर कार्यक्रम के प्रथम सेमेस्टर या दो वर्षीय स्नातकोत्तर कार्यक्रम के तृतीय सेमेस्टर सफलतापूर्वक उत्तीर्ण।	
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)	1. समाजशास्त्रीय सिद्धांतों और व्यावहारिकताओं से संबंधित किसी शोध समस्या की पहचान करने, उसका निर्माण करने तथा स्पष्ट रूप से प्रस्तुत करने की क्षमता का प्रदर्शन करना। (ब्लूम स्तर: समझना एवं प्रयोग करना) 2. उपयुक्त समाजशास्त्रीय विधियों, उपकरणों एवं आंकड़ा संग्रहण तकनीकों का प्रयोग करते हुए एक शोध डिज़ाइन विकसित करना। (ब्लूम स्तर: प्रयोग करना एवं विश्लेषण करना) 3. उपयुक्त सैद्धांतिक ढाँचों का उपयोग करते हुए प्राथमिक और/या द्वितीयक आंकड़ों का विश्लेषण करना और समाजशास्त्रीय निष्कर्षों की तार्किक व्याख्या करना। (ब्लूम स्तर: विश्लेषण करना एवं मूल्यांकन करना) 4. शैक्षणिक लेखन में प्रवीणता प्रदर्शित करना, जिसमें संदर्भ देना, उद्धरण करना एवं रिपोर्ट का प्रारूप अनुसंधान मानकों के अनुसार तैयार करना शामिल है। (ब्लूम स्तर: प्रयोग करना एवं निर्माण करना) 5. शोध निष्कर्षों को मौखिक, लिखित या दृश्य माध्यमों से सुसंगत रूप में प्रस्तुत करना, आलोचनात्मक चिंतन एवं शैक्षणिक ईमानदारी को प्रदर्शित करना। (ब्लूम स्तर: मूल्यांकन करना एवं निर्माण करना)	
6	क्रेडिट मान	05	
7	कुल अंक	अधिकतम अंक: 100	न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 40

भागब- पाठ्यक्रम की विषय वस्तु

व्याख्यान की कुल संख्या- ट्यूटोरियल- प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में):L-T-P: 02-00-**00**= प्रति सप्ताह

इकाई	विषय
प्रथम	यह पेपर केवल चतुर्थ सेमेस्टर के विद्यार्थियों द्वारा ही प्रस्तुत किया जाएगा। दो सेमेस्टर के कुल योग में न्यूनतम 60% अंक प्राप्त करने के पश्चात। शोध प्रबंध का विषय विद्यार्थियों द्वारा विभाग के शिक्षक, जो पर्यवेक्षक के रूप में कार्य कर

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

	रहे हैं, से परामर्श करने के पश्चात तथा विभागाध्यक्ष की स्वीकृति से चुना जाएगा। किसी विशेष शिक्षक के अधीन शोध प्रबंध कार्य करने वाले विद्यार्थियों की संख्या विभागाध्यक्ष द्वारा निर्धारित की जाएगी। शोध प्रबंध पूर्ण रूप से तैयार तथा पर्यवेक्षक द्वारा हस्ताक्षरित तथा विभागाध्यक्ष द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित होकर वर्तमान सत्र के अंत में 31 मार्च तक समाजशास्त्र विभागाध्यक्ष को दो प्रतियों में प्रस्तुत किया जाएगा। शोध प्रबंध का मूल्यांकन कुलसचिव विश्वविद्यालय/प्राचार्य द्वारा नियुक्त बाह्य परीक्षक द्वारा 100 अंकों में से किया जाएगा।

भाग स- अनुशंसित अध्ययन संसाधन

अनुशंसित पुस्तकें/ सहायक पुस्तकें/अन्य पाठ्य संसाधन/ पाठ्य सामग्री :

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम:

भाग द-अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:

अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:

अधिकतम अंक: 100

विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक: 100

बाह्य मूल्यांकन: 50 **आंतरिक मूल्यांकन - 50**		**कूलअंक 100**

कोईटिप्पणी/सुझाव:

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)